

नई दिल्ली
मंगलवार
27 अक्टूबर 2026
वर्ष: 13, अंक: 53
पृष्ठ: 08, मूल्य 2 रु०

E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhawnatoday@gmail.com

web: www.sadbhawna.today

देवदत्त पंडितकल की 199 रन की पारी से भारत ए...पेज-06

DELHIN/2014/58158

सनातन संस्कृति और जनसहभागिता से साकार...पेज-05



एक नजर

सरकार राजकोषीय घाटा कम करने को प्रतिबद्ध : सीतारमण

मिडियापल्ली (तमिलनाडु)। केंद्रीय वित्त मंत्री जर्मेला सीतारामण ने सोमवार को यहां कहा कि सरकार राजकोषीय घाटा कम करने के लिए प्रतिबद्ध है, जैसा कि सालाना बजट में नजर आता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 तक राष्ट्रीय ऋण को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 50 फीसदी तक सीमित रखा जाएगा। सीतारामण ने तमिलनाडु के मिडियापल्ली में सीतालक्ष्मी रामास्वामी कॉलेज के प्लैटिनम जुबली समारोह के दौरान अपने संबोधन में यह बात कही। वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार राजकोषीय घाटे को कम करने और वित्तीय अनुशासन बनाने पर अग्रण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। राष्ट्रीय ऋण को लेकर बताई जा रही चिंताओं पर उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के बाद से हर देश ऋण संबंधी चुनौतियों का सामना कर रहा है। सीतारामण ने कहा, "हम विश्व बजार से जाहिर होने वाली अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप राजकोषीय घाटा घटाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमने खुले तौर पर अपना लक्ष्य बताया है कि 2030 तक राष्ट्रीय ऋण को जीडीपी के 50 फीसदी तक सीमित रखा जाएगा। हम सरकार के ऋण को कम करने के लिए लगातार उपाय कर रहे हैं और प्रतिराष्ट्रीय समगर्न को प्रश्न प्रबंधन के प्रति भारत उ अनुशासित दृष्टिकोण को स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2051 में सीतालक्ष्मी रामास्वामी कॉलेज (एसआरसी) अपने 100 साल पूरे करेगा। यह भारत की आजादी के 100 साल पूरे होने के 4 साल बाद का समय होगा और आज यहाँ मौजूद छात्रों उस समय "दिकसित भारत" का नेतृत्व करने वाली महिलाओं में शामिल होगी।

आसियान के रक्षा मंत्रियों की बैठक 28-29 अक्टूबर को फिलीपींस में, राजनाथ जाएंगे

नई दिल्ली। फिलीपींस के सेबू में 28 से 29 अक्टूबर तक होने वाली 13वीं एशियाई एशियन ऑफ माथ ईस्ट एशियन नेशंस (आसियान) डिफेंस मिनिस्टर्स मीटिंग (एडीएमएम)-प्लस में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रक्षा मंत्री राजनाराय सिंह करेंगे। वह क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दों पर नेजरम को संबोधित करेंगे। रक्षा मंत्री एडीएमएम-प्लस में दायन हिस्सा लेने वाले देशों के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। वे आसियान देशों के साथ चल रहे रक्षा संबंधों की मजबूती करेंगे और एडीएमएम-प्लस साइडलाई और समन्वय करने के तरीके को बेजोएंगे, क्योंकि यह सदस्य देशों के लिए सुरक्षा और रक्षा सहयोग को मजबूत करने का एक प्लेटफॉर्म है। एडीएमएम-पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) और उसके सदस्य देशों का एक महत्वपूर्ण रक्षा मंच है। वर्ष 2010 में स्थापित इस मंच में 10 आसियान देश बुर्नेस, ब्रुनाई, इंडोनेशिया, लाओ पीडीआर, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, तिमोर लेस्ते और वियतनाम और 8 प्लस देश भारत, चीन, रूस, अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और यूनाइटेड किंगडम हैं। इसका उद्देश्य एशिया-प्रशांत/ इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, स्थिरता और रक्षा-सुरक्षा को मजबूत करने में आपसी सहयोग को बढ़ावा देना है। इस मंच का कार्य क्षेत्र अंतरकाय से निपटान, समुद्री सुरक्षा, प्राकृतिक आपदा प्रबंधन, शांति अभियान, अर्थव्यवस्था, मानवीय खदान कार्रवाई और साइबर सुरक्षा करना है। भारत 1992 में आसियान का डायलॉग पार्टनर बना और पहला एडीएमएम-प्लस 12 अक्टूबर, 2010 को हनोई (वियतनाम) में हुआ था। 2017 से एडीएमएम-प्लस के मंत्री आसियान और प्लस देशों के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए हर साल मिलते रहे हैं।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सद्भावना हुई

आवाज़ अधिकार की

ब्रिक्स की साझा प्रतिबद्धताओं को ठोस परिणामों में बदलने की जरूरत: बिरला

नई दिल्ली, एजेंसो। लोकसभा अध्यक्ष ओम प्रियदास ने सोमवार को ब्रिक्स देशों से अपनी साझा प्रतिबद्धताओं को ठोस परिणामों में बदलने का आह्वान करते हुए कहा कि संसदें कानून निर्माण, बजट, विचार-विमर्श और निगरानी के माध्यम से इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बीच संवाद, कुशलता और आपसी सहयोग का महत्व और बढ़ गया है तथा संसदें अंतरराष्ट्रीय तनाव कम करने और समस्याओं के शांतिपूर्ण समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। बिरला ने यहां दो दिवसीय 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच, 2026 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि ब्रिक्स संसदीय सहयोग को वास्तविक शक्ति विविधताओं को सामूहिक प्रगति में बदलने की क्षमता में निहित है। उन्होंने सदस्य एवं साझेदार देशों के संसदीय प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारत की संसद के ऐतिहासिक संविधान सदन में उनकी उपस्थिति संवाद, पारस्परिक सम्मान और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

उन्होंने कहा कि बिस्व इस वर्ष अपनी स्थापना के 20 वर्ष पूरे कर रहा है। संगठन का विस्तार और रहा है और वैश्विक घटनाक्रम तथा अंतराष्ट्रीय संबंधों को प्रभावित करने की उसकी क्षमता भी बढ़ रही है। बिस्व देश विश्व की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं और वैश्विक अव्यवस्था तथा अंतराष्ट्रीय व्यापार में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी रखते हैं। यह उनकी सामूहिक शक्ति के साथ-साथ वैश्विक जिम्मेदारी को भी दर्शाता है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि बिस्व देशों की वैगलिका, सांस्कृतिक, भाषाई और सामाजिक विविधताओं के बावजूद लोकतांत्रिक मूल्यों तथा मानवता के प्रति साझा जिम्मेदारी उन्हें एक सूत्र में बांधती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नई दिल्ली में आयोजित बिस्व शिखर सम्मेलन के संयुक्त वक्तव्य को सर्वसम्मति से स्वीकार किए जाने को महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

उन्होंने कहा कि अब इन प्रतिबद्धताओं को ठोस नतीजों में बदलने की जरूरत है। बिरला ने कहा कि विश्व इस समय क्षेत्रीय संघर्षों, युद्ध, आर्थिक अस्थिरता, व्यापारिक तनाव, अतंकवाद और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। इनका प्रभाव किसी एक देश को सीमाओं से सीमित नहीं रहता। ऐसे में संसदों को आपसी समझ और विश्वास मजबूत करने, अंतरराष्ट्रीय तनाव कम करने तथा वैश्विक चुनौतियों के शांतिपूर्ण समाधान में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत को लोकतंत्र की जननी का कल जाता है और यहाँ का लोकतंत्र संवाद, वैचारिक विविधता तथा सहमति-असहमति के बावजूद परस्पर सम्मान की भावना पर आधारित है। इसी लोकतांत्रिक शक्ति के आधार पर भारत अपनी विकास यात्रा में आगे बढ़ रहा है। संसद ने कानूनों और नीतियों के माध्यम से देश की बहुआयामी प्रगति के लिए ठोस आधार तैयार किया

हे। त्रिक्स का वैश्विक दक्षिण की आवाज मजबूत करने वाला मंच बताते हुए बिरला ने कहा कि सदस्य देशों की आकांक्षाएँ केवल चर्चाओं तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उन्हें ठोस नीतियों और व्यावहारिक सहयोग में भी दिखाई देना चाहिए। उन्होंने कहा कि 12वें त्रिक्स संसदीय मंच का विषय 'जन-केंद्रित विकास के लिए संसदीय को सुदृढ़ बनाना' इसी दृष्टि से विशेष महत्व रखता है। उन्होंने बताया कि जो दिवसीय सम्मेलन में मजबूती और चुनौतियों से उबरने की क्षमता, नवाचार, सहयोग तथा सतत विकास जैसे चार प्रमुख विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श होगा। उन्होंने कहा कि संसदीय को ऐसी संस्थाओं के रूप में विकसित करना होगा, जो चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में विधायी निरंतरता, जवाबदेही और लोकतांत्रिक निगरानी सुनिश्चित कर सकें। इसके लिए संसदीय कार्यप्रणाली में नवाचार, पाददर्शिता और जनभागीदारी को बढ़ावा देना जरूरी है।

मुख्य चुनाव आयुक्त को बचाने के लिए
हर हथकंडा अपना रही सरकार: खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में इस्तेमाल किए जा रहे सॉफ्टवेयर के बारे में सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत जानकारी मांगे जाने पर चुनाव आयोग ने इसे 'व्यापार रहस्य' बताते हुए जानकारी देने से इनकार कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि वोट चोरी के आरोपों पर लगातार खुलासे होने के बावजूद सरकार मुख्य चुनाव आयुक्त जोशी कुमार को बचाने के लिए हर हथकंडा अपना रही है।

खरगो ने सांशल मांडिया मंच	अवैध रूप से
एक्स पर उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची	नाम बहाल करने
से जुड़े मामलों का जिक्र करते हुए	उन्होंने सा
कहा कि 16.18 लाख फॉर्म-6	कारने क
अवादनं का विवरण सार्वजनिक नहीं	अध्यक्ष ने
किया गया। उन्होंने पीलीभीत में	दिल्ली के
10,470 मतदाता रिकॉर्ड में	'वोट ब
अनियमितताओं का भी आरोप	और महा
लगाया। उन्होंने कहा कि अब उत्तर	अपील क
प्रदेश में फॉर्म-6, 7 एवं 8 की जांच	सूची और
के लिए एअर देनो की जरूरत पड़	पर इस
रही है। खरगो ने मुख्य चुनाव आयुक्त	अपील क



ज्ञानेश कुमार से इस्तीफा देने और उन्हें संरक्षण देने वाला बताए जा रहे 2023 के कानून को वापस लेने की मांग की। उन्होंने एसआईआर की प्रक्रिया तत्काल रोकने और कथित तौर पर अवैध रूप से हटाए गए मतदाताओं के नाम बहाल करने की भी मांग की। उन्होंने सभी चुनाव मतदाताओं के जरिए कराने की मांग भी की। कांग्रेस अध्यक्ष ने नगरिकों से एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान पहुंचकर 'वोट बचाओ-देश बचाओ' मार्च और महारैली में शामिल होने की अपील की। उन्होंने लोगों से मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर इस अभियान में भाग लेने की अपील की।

सेना को हमेशा आगे रहने के लिए नई क्षमताओं के साथ बेहतर तरीके खोजने होंगे

नई दिल्ली। पहरेकर्मी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल पुणेष्ट सिंह ने कहा कि सेना को हमेशा आगे रहने के लिए न केवल नई क्षमताएं विकसित करनी होंगी, बल्कि अपने मौजूदा मिलिट्री प्लेटफॉर्म को ज्यादा असरदार, जानलेवा और ज्यादा टिकाऊ बनाने के लिए बेहतर तरीके भी खोजने होंगे। उन्होंने कहा कि ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सटीक रहस्यार और दूसरी नई टेक्नोलॉजी आज के समय में युद्ध लड़ने के तरीके को बदल रही हैं। लेफ्टिनेंट जनरल पुणेष्ट सिंह सोमवार को नई दिल्ली के मानेकशां सेंटर में 'मेकनाइजेशन टेक्नोलॉजी सोगोष्ठी 2.0' (एमटीएस 2.0) के पूर्वावलोकन कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इसका आयोजन पहरेकर्मी कमान ने एसआईटीएम के सहयोग से किया था। उन्होंने चंडीगढ़ के चंडीमांदिर मिलिट्री स्टेशन में 14-15 दिसंबर को 'भविष्य के युद्ध के लिए वर्तमान प्लेटफॉर्म का रूपांतरण' थीम पर होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा भी रखी।

फिरोजाबाद सड़क हादसा: दो और घायलों ने तोड़ा दम, मृतकों की संख्या बढ़कर 6 हुई

फिरोजाबाद, एर्जेसी। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में रविवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर छह हो गई है। थाना नसीरपुर क्षेत्र के छटनपुरा गांव के पास हुए इस हादसे में घायल दो और लोगों ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं, छह अन्य घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है। गांव छटनपुरा में शरद पूर्णिमा के अवसर रविवार रात टेण्यू-झांडी की शादी के बाद प्रेमिण बटेश्वर मार्ग पर सड़क किनारे स्थित कुएं के पास टेण्यू-झांडी की विसर्जन कर रहे थे।

इसी दौरान एक तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़ी लड़कियों व ग्रामीणों को रौं दे दिया। ग्रामीणों द्वारा कार का पीछा करके पुर चालक ने पुनः ग्रामीणों को टक्कर मार दी थी। इस हादसे में चार लोगों आकांक्षा (15), अंजली (15), दीपिका (17), हरीश उर्फ सोनू (25) की देर रात में ही मौत हो गई थी, जबकि आल लोग घायल हुए थे। घायलों को उपलब्ध ने अस्पताल में भर्ती कराया था। इन घायलों ने से गुगुनगु (10) और था सवार गुलफाम की उपचार के दौरान दम



तोड़ दिया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया है। वहाँ अन्य छह घायलों का अस्पताल में उपचार हो रहा है। गाँव में मृत चार लोगों के शवों का गाँव में विधिधान से अंतिम संस्कार हुआ। इस हादसे से गाँव में मातम पसरा हुआ है। अपराध पुलिस अधीक्षक देहात अनुज चौधरी ने कहा कि कार की टक्कर से घायल सभी लोगों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया था। इस हादसे में अब तक छह लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि चार शवों का पोस्टमार्टम हो गया है। इनमें दो शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। मृतक हरीश के पिता की सदमे में मौतस हारसे में मृत हरीश उर्फ सोनू के पितादर गंभीर सिंह को कि अस्पताल में कैसर का उपचार करा रहे थे। ग्रामीणों ने बताया कि गंभीर सिंह को जब बेटे हरीश की सड़क हालसे में मौत की खबर मिली तो उनकी हारसे बिगड़ गई और सोमवार को उन्होंने दम तोड़ दिया। इधर, सोमवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव गांव छतनपुर पहुंचे। उन्होंने मृतकों व चायलों के परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की।

अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी के मामले में सुल्तानपुर की विशेष अदालत से राहुल गांधी बरी



सीधे तौर पर पीड़ित व्यक्ति नहीं है। यह मामला श्री गांधी के 2018 की टिप्पणी से जुड़ा है। भाजपा को तत्कालीन अध्यक्ष और मंत्री अमित शाह के खिलाफ इस विवादस्पद टिप्पणी पर भाजपा के एक नेता विजय मिश्रा ने उनके (श्री गांधी के) खिलाफ चार आरास्ट को परिवाद दर्ज कराया था। वादी के अधिवक्ता संतोष कुमार पांडेय ने बताया कि न्यायाधीश शुभम वर्मा

की अदालत ने सुनवाई पूरी होने के बाद 13 अक्टूबर को इस मामले में फैसला सुनाने के लिए आज को तारीख तय की थी। भाजपा नेता और जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष विजय मिश्रा ने चार अगस्त 2018 को श्री गांधी को खिलाफ मानहानि की शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप है कि श्री गांधी ने उसी वर्ष बेंगलुरु में चुनावों के दौरान शाह के खिलाफ 'हत्या का आरोपी' जैसी आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इस मामले में पांच साल तक चली लंबी प्रक्रिया के बाद 27 नवंबर 2023 श्री गांधी को अदालत ने वारंट जारी कर तलब किया था। श्री गांधी 20 फरवरी 2024 को अदालत में हजरत हुए थे। उस दिन 25-25 हजार के दो मुचलके पर जमानत मिल गयी थी।

ग्लोबल कैथोलिक कांग्रेस ने 'बाल विवाह मुक्त विश्व' अभियान का किया समर्थन

नई दिल्ली, एजेन्सी। ग्लोबल कैथोलिक काग्रेस ने 'बाल विवाह मुक्त विश्व' अभियान का समर्थन किया है। इसमें 44 देशों के ईसाई धर्म के प्रमुख धर्मगुरु शामिल रहे। सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिनिधियों ने अपने-अपने समुदायों में बाल विवाह के खिलाफ लड़ाई लड़ने की शपथ भी ली। बाल अधिकार संरक्षण के लिए काम करने वाले नागरिक समाज संगठन जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरएफसी) ने वर्ष 2030 तक बाल विवाह को खत्म करने के लक्ष्य के साथ यह वैश्विक अभियान शुरू किया है।

इटली की राधानाथी रोम में आयोजित इस विश्व सम्मेलन में भारत, अमेरिका, कनाडा, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, मेरिका पूर्व और पश्चिम समेत दुनिया के विभिन्न हिस्सों से वरिष्ठ कैथोलिक पादरियों, आर्चबिशप, बिशप और अन्य प्रमुख धर्मगुरु शामिल हुए। उनका यह सम्मेलन समाज में लोगों को मार्गदर्शन देने और प्रचलित कुप्रथाओं को चुनौती देने में धर्मगुरुओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। ग्लोबल कैथोलिक कांग्रेस धार्मिक,



सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक और आर्थिक क्षेत्रों में कैथोलिक समुदाय के नागरिक और मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए काम करती है। ग्लोबल कैथोलिक कांग्रेस के अध्यक्ष राजीव कोचुपरम्बिल ने कहा, 'हर बच्चा गरिमा, शिक्षा, सुस्थि और उम्मीद से भरा बचपन पाने का हकदार है। बाल विवाह खत्म करना हम सबकी सामूहिक नैतिक जिम्मेदारी है।'

A large group of people, including children and adults, are posing for a photo in front of a building. They are holding a banner that reads "CONGRESS SUPPORTS FREE WORLD JUST RIGHTS". The banner is white with black and red text. The people are dressed in formal attire, and the building in the background has large windows and a modern design.

बदलना होगा और वर्ष 2030 तक बाल विवाह मुक्त विश्व बनाने के लिए मिलकर काम करना होगा। इस वर्ष 27 नवंबर को पहली 'बाल विवाह, कम उम्र और जबरन विवाह रद्द' के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस' के रूप में मनाया जाएगा।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सितंबर में इस पथ में एक प्रस्ताव पारित किया था। 27 नवंबर को भारत सरकार की ओर से 2024 में जारी किए गए बाल विवाह मुक्त भारत की रणनीति की वर्षगांठ भी है। जस्ट राइट्स फॉर वूमन के संस्थापक भुवन ऋषु ने इस समर्थन के अवसर पर कहा, 'सब बाल विवाह रद्द कर विश्व अधिवास को ग्लोबल कैथोलिक्स बना दें। समर्थन मिलने का हार्दिक स्वागत है। धर्मगुरुओं की आवाज समाज की आवाज को जगाने की ताकत रखती है और वे बाल विवाह रोकने में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। उनकी सामूहिक प्रतिबद्धता एक स्पष्ट संदेश देती है कि कोई भी परंपरा या रीति-रिवाज बच्चों के अधिकारों के उल्लंघन को नहीं बचा सकता।

नमो यमुना रिवर सफारी ’ का ट्रायल रन शुरू, मुख्यमंत्री ने किया निरीक्षण

सैफुल्लाह सिद्दीकी, वरिष्ठ पत्रकार
नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को सोनिया विहार से जगतपुर तक यमुना नदी पर विकसित की जा रही क्रूज सेवा (‘नमो यमुना रिवर सफारी ’) का ट्रायल रन और निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों से परियोजना की प्रगति, संचालन व्यवस्था और यात्रियों के लिए तैयार की जा रही सुविधाओं की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि दिल्ली में मां यमुना के साथ लोगों का भावनात्मक और सांस्कृतिक जुड़ाव अत्यंत गहरा है। यमुना सफारी की शुरुआत इस जुड़ाव को एक नया आयाम देने के साथ-साथ राजधानी में पर्यटन और मनोरंजन की नई संभावनाओं को भी साकार करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की योजना छठ महापर्व से पहले यमुना सफारी का औपचारिक शुभारंभ करने की है ताकि दिल्लीवासी इस विशेष अनुभव का आनंद ले सकें। दिल्ली में भी लोग मां यमुना के दर्शन करते हुए क्रूज का आनंद ले सकेंगे। यह पहल परिवारों के लिए एक आकर्षक पर्यटन स्थल विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पर्यटन सुविधाओं के विकास के साथ यमुना की स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का ध्यान रखना भी उतना ही आवश्यक है। इस अवसर पर दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सोनिया विहार से जगतपुर तक लगभग छह किलोमीटर के जलमार्ग पर विकसित की जा रही यह क्रूज सेवा दिल्ली में पर्यटन की नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी। इससे स्थानीय स्तर पर



आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने और रोजगार के नए अवसर सृजित होने की उम्मीद है। नदी के आसपास उपलब्ध सुविधाओं को विकसित करके इस क्षेत्र को दिल्लीवासियों के लिए एक आकर्षक पर्यटन एवं मनोरंजन स्थल बनाया जा रहा है। परियोजना के अंतर्गत यात्रियों की सुविधा के लिए फूड कियोस्क, रेस्टोरेंट, बच्चों के लिए किड्स ज़ोन और अन्य आवश्यक जनसुविधाओं की व्यवस्था

की गई है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि फिलहाल 30 यात्रियों की क्षमता वाली क्रूज इस मार्ग पर संचालित करने की तैयारी की गई है। सोनिया विहार से जगतपुर स्थित शनि मंदिर तक आने-जाने का पूरा सफर लगभग 35 से 45 मिनट का होगा। यात्रियों को निर्धारित मार्ग पर नौका विहार का अनुभव मिलेगा और यात्रा पूरी होने के बाद वे अपने शुरुआती स्थान पर लौट सकेंगे। इस

सेवा का ट्रायल रन लगभग एक सप्ताह तक चलाने की योजना है। इसके बाद नवंबर के पहले सप्ताह में इसका औपचारिक शुभारंभ की तैयारी की जा रही है। अंतिम तिथि निर्धारित होने के बाद इसकी आधिकारिक घोषणा की जाएगी। यात्रियों के लिए तैयार की गई व्यवस्था के अंतर्गत परिसर में प्रवेश शुल्क 50 रुपये और क्रूज की एक पूरी यात्रा का प्रस्तावित शुल्क 500 रुपये निर्धारित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने इस परियोजना को साकार करने में सहयोग देने वाले केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार के संबंधित विभागों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय से दिल्ली में पर्यटन के नए अवसर विकसित किए जा रहे हैं। इस परियोजना में भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण, दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम (डीटीडीसी), सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग और दिल्ली जल बोर्ड सहित संबंधित एजेंसियां शामिल हैं। दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि यमुना रिवर सफारी एक अद्भुत परियोजना है। केंद्र सरकार, डीडीए, दिल्ली सरकार और दिल्ली पर्यटन के साझा प्रयासों से यह परियोजना साकार हो रही है। बोट राइड, म्यूजिक फाउंटैन, वाटर स्पोर्ट्स और फूड पार्क के साथ दिल्लीवासियों और पर्यटकों को एक सुंदर रिवर अनुभव मिलेगा। एनजीटी और पर्यावरण के सभी मानकों का पालन किया गया है। मुख्यमंत्री ने छठ पूजा से पहले इसे जनता के लिए खोलने की घोषणा की है। इस बार भी यमुना तट पर भव्य छठ पूजा की तैयारियां की जा रही हैं।

सीएम रेखा गुप्ता वाल्मीकि प्रकटोत्सव में शामिल, वाल्मीकि मंदिर में किया हवन-पूजन

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सोमवार को दिल्ली के मंदिर मार्ग स्थित राष्ट्रीय प्राचीन वाल्मीकि मंदिर और आश्रम में आयोजित भगवान महर्षि वाल्मीकि के प्रकटोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुईं।

इस अवसर पर उन्होंने हवन में आहुति दी और भगवान वाल्मीकि के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की। उन्होंने आदिकवि महर्षि वाल्मीकि की अग्रणी पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके जीवन, विचारों और आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान महर्षि वाल्मीकि का जीवन और उनकी शिक्षाएं संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनके

आदर्श हमें मानवता, करुणा, समानता और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। महर्षि वाल्मीकि ने अपने विचारों और रचनाओं के माध्यम से समाज को नैतिकता, सदाचार और मानवीय मूल्यों का संदेश दिया। उनके आदर्श आज भी एक ऐसे समाज के निर्माण का मार्ग दिखाते हैं, जहां प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान मिले और सभी को आगे बढ़ने के समान अवसर प्राप्त हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए ऐसी दिल्ली के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है, जो समानता, संवेदना और समृद्धि की प्रतीक बने। सरकार का प्रयास है कि विकास की प्रक्रिया में समाज के प्रत्येक वर्ग को भागीदारी सुनिश्चित हो और हर नागरिक को सम्मानपूर्वक जीवन जीने तथा प्रगति के अवसर प्राप्त हों।

राव तुलाराम फ्लाईओवर को हल्के वाहनों के लिए खोलने का निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने सोमवार को राजधानी के राव तुलाराम (आरटीआर) फ्लाईओवर का निरीक्षण करके आज शाम से हल्के वाहनों के लिए खोलने का निर्देश दिया है। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि निरीक्षण के दौरान गैप स्लैब वाले हिस्से में कंक्रीट खराब होने, दरारें आने और लोहे की सरियों के खुले होने जैसी समस्याएं सामने आई थीं।

इसी कारण सुरक्षा के मद्देनजर यहां यातायात अस्थायी रूप से बंद किया गया था। उन्होंने कहा कि आवश्यक मरम्मत का कार्य पूरा कर लिया गया है और फ्लाईओवर आज शाम से हल्के वाहनों के लिए दोबारा खोल दिया जाएगा। वर्ष 2009 में बने इस फ्लाईओवर की मजबूती और दीर्घकालिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक संरचनात्मक ऑडिट भी किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा भी उपस्थित रहे। मंत्री सिरसा ने कहा कि दिवाली के समय दिल्ली के लोगों को जाम और प्रदूषण, दोनों से राहत मिले,



इसी दिशा में आज मंत्री प्रवेश साहिब सिंह के साथ आरटीआर फ्लाईओवर का निरीक्षण किया। यहां जाम की वजह से प्रदूषण का बड़ा हॉटस्पॉट बन रहा था। उन्होंने कहा कि लोगों की परेशानी को देखते हुए आज शाम 6 बजे तक जरूरी मरम्मत का काम पूरा कर फ्लाईओवर खोलने के निर्देश दिए गए हैं। भारी ट्रैफिक के

लिए आगे जरूरी काम भी कराया जाएगा। मंत्री सिरसा ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार हर प्रदूषण हॉटस्पॉट की लगातार निगरानी कर रही है। जाम और प्रदूषण कम करने के लिए युद्धस्तर पर काम जारी है, ताकि त्योहार के इस समय में लोगों को बेवजह परेशानी न हो।

उत्तर रेलवे 1 से 30 नवंबर तक चलाएगा डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र अभियान, पेंशनभोगियों को मिलेगी घर बैठे सुविधा

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे की ओर से पेंशनभोगियों एवं पारिवारिक पेंशनभोगियों की सुविधा के लिए 1 नवंबर से 30 नवंबर तक डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र (डीएलसी) अभियान-5 चलाया जाएगा। पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग तथा रेलवे बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आयोजित होने वाले इस अभियान के तहत उत्तर रेलवे के सभी मंडलों और विभिन्न कारखानों में विशेष शिविर लगाने का प्रस्ताव है।

इस अभियान का उद्देश्य पेंशनभोगियों के लिए जीवन प्रमाणपत्र जमा करने की प्रक्रिया को सरल और सुविधाजनक बनाना है। डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र की सुविधा के माध्यम से रेलवे पेंशनभोगी बिना पेंशन कार्यालय जाए देश में कहीं से भी अपना जीवन प्रमाणपत्र तैयार कर सकते हैं। उत्तर रेलवे के अनुसार, पेंशनभोगी फेस ऑर्थेंटिकेशन तकनीक का उपयोग

करके किसी भी एंड्रॉइड या आईओएस डिवाइस के माध्यम से डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र जमा कर सकते हैं। इस सुविधा से उन्हें बैंकों में जाने और जीवन प्रमाणपत्र जमा करने के लिए लंबी कतारों में खड़े होने की परेशानी से राहत मिलेगी।

उत्तर रेलवे में पिछले दो वित्तीय वर्षों के दौरान आयोजित डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र शिविरों के उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं। इसी क्रम में रेलवे प्रशासन इस वर्ष भी पेंशनभोगियों को डिजिटल सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। उत्तर रेलवे ने सभी रेलवे पेंशनभोगियों एवं पारिवारिक पेंशनभोगियों से अपील की है कि वे अभियान के दौरान इस सुविधा का लाभ उठाएं और अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना निर्धारित समय-सीमा में अपना जीवन प्रमाणपत्र जमा करना सुनिश्चित करें।

दिल्ली में आईएमए-आयुष का 40वां धन्वंतरि जयंती समारोह एक नवंबर को

शाहनवाज सैफ, सद्भावना टुडे नई दिल्ली। इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए-आयुष) की ओर से 40वें भगवान धन्वंतरि जयंती समारोह का आयोजन एक नवंबर को यहां के एनडीएमसी ऑडिटोरियम में किया जाएगा। समारोह का उद्घाटन दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही करेंगे, जबकि दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के निदेशक डॉ. पीके प्रजापति करेंगे। संस्था के प्रवक्ता एवं लीगल कमेटी के अध्यक्ष डॉ. रामफल पांचाल ने सोमवार को एक बयान में कहा कि समारोह में आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा पद्धतियों के विकास, प्रचार-प्रसार और चिकित्सा सेवाओं में उल्लेखनीय योगदान देने वाले चिकित्सकों, शिक्षाविदों तथा अन्य विशिष्ट व्यक्तित्वों को सम्मानित किया जाएगा।

डॉ. पांचाल के अनुसार इस वर्ष धन्वंतरि अवॉर्ड से दिल्ली स्थित आयुर्वेदिक एवं यूनाी तिब्बिया कॉलेज के पूर्व प्राचार्य एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ मेडिकल साइंस के पूर्व डीन डॉ. केके सिजोरिया और डाक्टर इंडिया लिमिटेड के निदेशक डॉ. दुर्गा प्रसाद को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा आयुर्वेद चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सुश्रुत एवं चरक अवॉर्ड प्रदान

किए जाएंगे। वहीं, संस्था के कार्यों में विशिष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को डॉ. जेएस पंवार मेमोरियल अवॉर्ड तथा डॉ. हरिशंकर देव शर्मा मेमोरियल अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। चिकित्सा क्षेत्र के साथ-साथ पत्रकारिता में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करना भी संस्था की परंपरा रही है। इसी क्रम में इस वर्ष पत्रकारिता के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए सुश्री सर्जना शर्मा को विशेष सम्मान प्रदान किया जाएगा। डॉ. पांचाल ने बताया कि आईएमए-आयुष पिछले 40 वर्षों से भगवान धन्वंतरि जयंती समारोह का नियमित आयोजन करती आ रही है। संस्था आयुर्वेद एवं अन्य भारतीय चिकित्सा पद्धतियों के विकास, संवर्धन तथा इनके स्नातकों के हितों के लिए निरंतर कार्य कर रही है। साथ ही, भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को प्रोत्साहित करने और उनसे जुड़े विषयों पर भारत सरकार के साथ सहयोग भी करती रही है। उन्होंने कहा कि देश में आयुष मंत्रालय तथा दिल्ली में भारतीय चिकित्सा पद्धति से संबंधित अलग निदेशालय की स्थापना इस क्षेत्र के संस्थागत विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। एक गैर-सरकारी संगठन के रूप में आईएमए-आयुष चिकित्सा संबंधी गतिविधियों के अलावा सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाती है।

करोल बाग से लौट रहे युवक को पीटकर मोबाइल व नकदी लूटी, तीन पकड़े गए

नई दिल्ली, एजेंसी। करोल बाग मार्केट से घर लौट रहे एक युवक को रास्ते में घेरकर मारपीट करने और मोबाइल एवं नकदी लूटने के मामले को देशबंधु गुप्ता रोड थाना पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस ने वारदात में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक नाबालिग को पकड़ा है। पुलिस ने लूटा गया वीवो वाई-58 मोबाइल फोन बरामद कर लिया है। हालांकि, शिकायतकर्ता से लूटे गए 2,000 रुपये बरामद होने की जानकारी नहीं दी गई है। पुलिस के मुताबिक इसी माह 11 अक्टूबर शाम करीब 7:30 बजे शिकायतकर्ता करोल बाग मार्केट से अपने घर माणकपुरा लौट रहा था। वह अजमल खान पार्क के पास ईस्ट पार्क रोड पर टीटी गारमेंट्स के नजदीक पहुंचा, तभी तीन लड़कों ने उसे घेर लिया। आरोपित घटनास्थल से करीब 100 मीटर पीछे से ही उस पर नजर रख रहे थे और उसका पीछा करते हुए वहां तक पहुंचे थे। इसके बाद उन्होंने युवक के साथ मारपीट की और उसका वीवो वाई-58 मोबाइल फोन तथा 2,000 रुपये लूट लिए। वारदात के बाद तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए। बाद में देशबंधु गुप्ता रोड थाने में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई। वारदात को सुलझाने के लिए थाने की क्रैक टीम ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को फूटेज खंगाली। तकनीकी जांच और निगरानी के दौरान पुलिस को एक यूपीआई ट्रांजेक्शन से अहम सुराग मिला। इसके आधार पर संदिग्धों की पहचान की गई और उनके ठिकानों का पता लगाया गया। आरोपितों में रोहित उर्फ सुमित (18) और कृष्णा (19) हैं जबकि नाबालिग 15 साल का है। इसके बाद पुलिस टीम ने तीनों को उनके घरों से पकड़ लिया। रोहित उर्फ सुमित मूल रूप से सदर थाना रोड स्थित मोतिया खान का रहने वाला है, जबकि कृष्णा मंगोलपुरी में रहता है। पकड़ा गया नाबालिग भी मोतिया खान का रहने वाला है। पुलिस की पूछताछ में आरोपितों ने कथित तौर पर जल्दी और गलत तरीके से पैसा कमाने के लिए लूट करने की बात बताई। पुलिस ने उनके पास से शिकायतकर्ता का लूटा हुआ मोबाइल फोन बरामद कर लिया है। दोनों बालिग आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं, नाबालिग को कानून के प्रावधानों के तहत कार्रवाई के बाद बाल पर्यवेक्षण गृह भेजा गया है।

विदेशी महिला का बैग चोरी करने मामले में बुजुर्ग महिला गिरफ्तार



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पहाड़गंज में खरीदारी करने गई एक विदेशी महिला का बैग चोरी करने के आरोप में पुलिस ने 72 साल की महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपित महिला उत्तम नगर निवासी सविता गांधी उर्फ सरोज गांधी है। पुलिस के मुताबिक 23 अक्टूबर को एक विदेशी महिला ने ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई थी। महिला पहाड़गंज की एक दुकान पर खरीदारी करने गई थी, जहां से उसका बैग चोरी हो गया। बैग में पासपोर्ट, वीजा के दस्तावेज, 2600 अमेरिकी डॉलर, 2.50 लाख रुपये, तीन क्रेडिट कार्ड और सैमसंग कंपनी का मोबाइल फोन था। शिकायत मिलने के बाद पहाड़गंज थाने की संगतराशुन पुलिस चौकी की टीम ने मामले की जांच शुरू की। इस संबंध में 21 अक्टूबर को भारतीय न्याय संहिता की धारा 305 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने आरोपित की पहचान करने के लिए वारदात स्थल और आसपास के इलाकों में लगे 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फूटेज का विश्लेषण किया। जांच के दौरान स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाने के साथ मुखबिरों की भी मदद ली गई। पुलिस ने उन अधिकारियों से भी संपर्क किया, जिन्होंने पहले आरोपित को दूसरे मामलों में गिरफ्तार किया था। इससे उसके मौजूदा ठिकाने के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस टीम ने 24 अक्टूबर को उत्तम नगर में छापा मारकर सविता गांधी उर्फ सरोज गांधी को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 1,85,500 रुपये और 2600 अमेरिकी डॉलर बरामद हुए। वारदात के समय आरोपी ने जो कपड़े पहने थे, उन्हें भी बरामद कर लिया गया है, लेकिन महिला का पासपोर्ट, वीजा के दस्तावेज, मोबाइल फोन और तीन क्रेडिट कार्ड की बरामदगी अभी बाकी है। पुलिस इन मामलों का पता लगाने में जुटी है। मामले में आरोपी की जांच जारी है। पुलिस के मुताबिक आरोपित महिला आदतन चोर है और हाल ही में तिहाड़ जेल से रिहा हुई थी। उसके खिलाफ पहले से 14 आपराधिक मामलों में सॉलिस्टा का रिकॉर्ड बनाया गया है। इनमें वर्ष 2016 में सरोजिनी नगर थाने में दर्ज चोरी और चोरी का सामान रखने से जुड़े मामले शामिल हैं। इसके अलावा वर्ष 2026 में जमकपुरी मेट्रो, राजा गार्डन मेट्रो और कस्मیری गेट मेट्रो थानों में भी उसके खिलाफ मामले दर्ज हैं। आरोपित महिला अपनी उम्र अधिक होने का फायदा उठाकर लोगों का संदेह कम करने की कोशिश करती थी। पुलिस उसकी हिस्ट्रीशीट खोलने और उसे जिला बदर कराने के प्रस्ताव से जुड़े तथ्यों की भी जांच कर रही है।

प्रधानमंत्री पर टिप्पणी को लेकर दिल्ली भाजपा ने खरगे के निवास पर किया विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की कथित टिप्पणी के विरोध में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा के नेतृत्व में एवं प्रदेश प्रभारी विनय सहस्त्रबुद्धे की उपस्थिति में दिल्ली भाजपा के पूर्वांचल, युवा एवं ओ.बी.सी. मोर्चा के लगभग दो हजार कार्यकर्ता ने राजा जी मार्ग स्थित उनके निवास के पास विशाल विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को पुलिस ने कुश्क रोड़ मोड़ पर बैरिकेड्स लगा कर रोकने का प्रयास किया जिसे तोड़ कर कार्यकर्ता आगे बढ़े तो वेमन भवन के पास से प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा सहित लगभग 200 वरिष्ठ पराधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को पुलिस हिरासत में लेकर 5 बसों में मंदिर मार्ग थाने ले गई। प्रदर्शन के दौरान दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री के पिताजी के लिए अभद्र शब्दों का प्रयोग किया। उसी बात को लेकर आज खरगे के आवास पर प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि खरगे को उनके द्वारा की गई टिप्पणी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से माफी मांगनी होगी। उन्होंने कहा कि पूरी कांग्रेस पार्टी, चाहे वह राहुल गांधी हों या कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सभी हताश हो चुके हैं।



लगातार चुनावों में हार के कारण कांग्रेस हर समय अराजकता के दौर में आ जाते हैं और किसी कानून को नहीं मानते। मल्होत्रा ने कहा कि कुछ महीने पहले इन्होंने

दिल्ली को बंद करने का प्रयास किया, जिससे दिल्ली का पूरा व्यापार प्रभावित हुआ। आज भी बिना कानून की परवाह किए लगातार दिल्ली में, कर्नाट प्लेस सहित

विभिन्न स्थानों पर कानून तोड़ते हुए धरना-प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस दिल्ली और देश में अराजकता फैलाना चाहती है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि जब कांग्रेस की अपनी सभा में मल्लिकार्जुन खरगे के बोलने पर जनता ने बोला तो वह हताश हो गए और प्रधानमंत्री के पिताजी के बारे में अपशब्द बोल दिए। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि खरगे को माफी मांगनी होगी। उन्होंने कहा कि जब तक खरगे माफी नहीं मांगेंगे यह आंदोलन, धरना-प्रदर्शन लगातार चलता रहेगा। वहीं, दिल्ली भाजपा के प्रभारी विनय सहस्त्रबुद्धे ने खरगे के टिप्पणी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए एक नारा देते हुए कहा कि आज का यह प्रदर्शन जनता के अंदर की उस तीव्र भावना, लोगों के मन में व्याप्त सतप्त और उद्देलित जनमानस का प्रकटीकरण है। विनय सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि एक साधारण परिवार से निकलकर नरेंद्र मोदी ने देश की सेवा की और संघर्ष के बाद देश के प्रधानमंत्री के पद तक पहुंचे, उसका अपमान करने का प्रयास किया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा जिस प्रकार की अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया, वह देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी के अध्यक्ष को शोभा नहीं देता। उन्होंने कहा कि भाजपा मांग करती है कि खरगे तुरंत माफी मांगें अन्यथा भाजपा सड़क से लेकर सदन तक विरोध करेगी।

एक नजर

किसानों की समस्याओं का समाधान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : सर्वप्रिय त्यागी

गुरुग्राम। भारतीय जनता पार्टी के गुरुग्राम जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने सोमवार को फर्रुखनगर मार्केट कमेटी के चेयरमैन दौलतराम के साथ अनाज मंडी का दौरा कर फसलों की स्थिति एवं खरीद व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने किसानों से सीधे संवाद कर फसल बिन्नो के उनके अनुभव जाने तथा उपलब्ध सुविधाओं और खरीद प्रक्रिया के संबंध में सुझाव प्राप्त किए। संवाद के दौरान किसानों ने बताया कि उन्हें सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का लाभ समय पर मिल रहा है और मंडी की व्यवस्थाएं संतोषजनक हैं। त्यागी ने किसानों की बात सुनी और कहा कि उनकी संतुष्टि उत्साह बढ़ाने वाली है। किसानों के सुझाव व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने का महत्वपूर्ण आधार हैं। सर्वप्रिय त्यागी ने कहा कि किसान की मेहनत का सम्मान केवल शब्दों से नहीं, बल्कि उसे मिलने वाली सुविधाओं और समय पर उसकी समस्याओं के समाधान से होता है। हमारा प्रयास है कि किसान अपनी उपज बेचने के लिए मंडी आए तो उसे सुविधाजनक और सुव्यवस्थित खरीद व्यवस्था मिले। मंडियों में किसानों से सीधा संवाद वास्तविक स्थिति को समझने का प्रभावी माध्यम है। किसानों के सुझावों एवं जरूरतों को संबंधित स्तर तक पहुंचाने और उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। त्यागी ने कहा कि किसान समृद्ध होगा तो गाँव सशक्त होगा और प्रदेश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। किसानों का विश्वास हमारी जिम्मेदारी को और बढ़ाता है। उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करना हमारी प्रतिबद्धता है।

अवैध कालोनी में चला बुलडोजर, कई निर्माण गिराए

फरीदाबाद। गांव मुजेरी की राजस्व संपदा में विकसित की जा रही करीब चार एकड़ में फैली अनधिकृत कॉलोनी में सोमवार को तोड़फोड़ की गई। कार्रवाई के दौरान बिना अनुमति किए गए निर्माणों को ध्वस्त करने के साथ अवैध प्लॉटिंग के लिए तैयार किए गए ढांचे और रास्तों को भी हटाया गया। विभाग की टीम ने अभियान के दौरान कॉलोनी में बने दो पक्के निर्माण और दो चारदीवारी तोड़ दीं। इसके अलावा प्लॉटों पर निर्माण की तैयारी के लिए बनाई गई 10 डीपीसी (डैम्प प्रूफ कोर्स) को भी ध्वस्त कर दिया गया। कॉलोनी में प्लॉटों तक पहुंच बनाने के लिए तैयार किए गए कच्चे रास्तों के नेटवर्क को भी मशीनों की मदद से खत्म किया गया। जिला नगर योजनाकार विभाग की इस कार्रवाई के तहत अवैध प्लॉटिंग के लिए तैयार किए गए ढांचों को हटाया गया, ताकि कॉलोनी में आगे निर्माण और प्लॉटिंग की गतिविधियों को रोक़ा जा सके। विभाग की ओर से ऐसी कॉलोनियों में निर्माण करने और प्लॉट खरीदने वाले लोगों को भी सावधानी बरतने की सलाह दी जाती रही है। जिला नगर योजनाकार (इंफोसर्पेंट) अधिकारी यजन चौधरी ने अवैध कॉलोनियों के खिलाफ विभाग की कार्रवाई के संबंध में कहा है कि बिना अनुमति कॉलोनी विकसित करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाती है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि किसी भी कॉलोनी में प्लॉट खरीदने या निर्माण शुरू करने से पहले संबंधित विभाग से उसकी वैधता की जांच जरूर कर लें। इससे भविष्य में आर्थिक नुकसान और कानूनी परेशानी से बचा जा सकता है।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 25 कंस्ट्रक्शन साइट्स को थमाया नोटिस

फरीदाबाद। दशहरा के बाद प्रदूषण के बढ़ते स्तर को देखते हुए ग्रेप वन के प्रतिबंध लागू कर दिए गए हैं। जिसके तहत निर्माणाधीन साइटों पर धूल रोकने के लिए पूरे इंतजाम होने चाहिए। इसके लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से नगर निगम को पत्र लिखकर सूचित भी किया गया था। जिसमें कहा गया कि निगम की ओर से जहां पर भी निर्माण कार्य करवाएं जा रहे हैं। वहां पर धूल को रोकने के पूरे इंतजाम किए जाए। लेकिन बोर्ड की टीम की ओर से जब निर्माणाधीन साइटों का निरीक्षण पाया गया तो उड़ती धूल को रोकने को लेकर भारी लापरवाही हुई गई। बोर्ड की टीम ने पिछले तीन दिनों में 50 से अधिक साइटों का निरीक्षण किया। जिसमें निर्माण सामग्री ऐसे में खुले में रखी हुई पाई गई। इनको ढका नहीं गया था। इसके साथ ही छिड़काव को लेकर भी कोई इंतजाम नहीं थे। ऐसी 25 निर्माणाधीन साइटों पर बोर्ड की ओर से नोटिस जारी किए गए हैं। सोमवार को शहर में पीएम 10 का स्तर 117 माइक्रोग्राम क्यूबिक मीटर दर्ज किया गया है। ग्रेप लागू होने के बाद निगम की ओर से चार एंटी स्मॉग गन के साथ छिड़काव तो शुरू कर दिया गया है। लेकिन निर्माण साइटों पर धूल को रोकने के इंतजाम और कूड़े में आग लगाने वालों के चालान नहीं किए जा रहे हैं। आमतौर पर अक्टूबर माह के अंत तक निगम की ओर से निर्माण कार्यों पर रोक लगा दी जाती है। क्योंकि ठंड भी बढ़ जाती है। इसके साथ ही प्रदूषण का प्रभाव बढ़ने का खतरा बना रहता है। लेकिन इस बार अलग-अलग जगहों पर निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। शहर में अलग-अलग जगहों पर आग लगने के मामले सामने आ रहे हैं। सडक किनारे एकर कूड़े का निस्तारण करने के बजाय लोग उसमें आग लगा रहे हैं। जिससे प्रदूषण की हवा जहरीली हो रही है। लेकिन, निगम की ओर से अभी तक कूड़े में आग लगाने को चालान करने की प्रक्रिया शुरू नहीं की है। निगम अधिकारियों का कहना है कि त्योहारी सीजन के बाद टीम चालान शुरू करेगी।

बच्ची से दरिंदगी करने वाले 60 वर्षीय दोषी को 20 साल की सजा, 50 हजार का जुर्माना भी लगाया

गाजियाबाद। विशेष पॉक्स कोर्ट ने आठ साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के एक मामले में फैसला सुनाया है। अदालत ने आरोपित 60 वर्षीय सतीश कुमार को 20 साल के कठोर कारावास और 50 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। सजा सुनाते समय अदालत ने कहा कि इस प्रकार का कृत्य पड़ोस में रहने वाले लोगों के प्रति असुरक्षा की भावना पैदा करता है। जिससे समाज में पड़ोसी पर विश्वास न करने की भावना बढ़ती है।

विशेष लोक अभियोजक सतीश शर्मा ने बताया कि घटना आठ जून 2022 की दोपहर करीब ढाई बजे की है। थाना विजयनगर क्षेत्र की सैन विहार कॉलोनी में चार साल की बच्ची अपने घर के बाहर खेल रही थी। इस दौरान पड़ोस में ही रहने



वाला आरोपित सतीश कुमार बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने घर ले गया। काफी देर तक जब बच्ची नहीं मिली तो खेल रही थी। इस दौरान पड़ोस में ही रहने

गुरुग्राम नगर निगम क्षेत्र में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण के लिए 875 वाहनों की होगी तैनाती

गुरुग्राम। प्रदेश के उद्योग एवं वाणिज्यिक मंत्री राव नरबीर सिंह ने नगर निगम गुरुग्राम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर की सभी सडकों को धूल-मिट्टी से मुक्त बनाया जाए। सडकों की डीप क्लीनिंग करवाने के साथ नियमित रूप से पानी का छिड़काव सुनिश्चित किया जाए, ताकि धूल के कारण होने वाले वायु प्रदूषण को कम किया जा सके। उन्होंने शहर की सफाई व्यवस्था को प्रभावी बनाने, कचरा प्रबंधन में तेजी लाने और प्रदूषण नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने पर जोर दिया।

उद्योग मंत्री सोमवार को गुरुग्राम के लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में शहर की सफाई व्यवस्था, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, बंधवाड़ी लैंडफिल साइट पर लीगेसी वेस्ट के निस्तारण, सडक सुधार और प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े कार्यों की समीक्षा की गई। राव नरबीर सिंह ने कहा कि सडकों पर जमा धूल-मिट्टी को हटाने के लिए नियमित रूप से विशेष सफाई अभियान चलाए जाएं। संबंधित अधिकारी डीप क्लीनिंग और पानी के छिड़काव की नियमित निगरानी करें, ताकि इन कार्यों का

गुरुग्राम: महर्षि वाल्मीकि का जीवन तपस्या, ज्ञान और समाज सेवा की प्रेरणा देता है- राजरानी मल्होत्रा



मेयर राजरानी मल्होत्रा ने महर्षि वाल्मीकि जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महर्षि वाल्मीकि का जीवन प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रेरणास्रोत है। कठोर तपस्या, ज्ञान और साधना के बल पर उन्होंने भारतीय साहित्य को अमूल्य धरोहर प्रदान की। आदि कवि महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण आज भी समाज की मर्यादा, संस्कार और आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा देती है। माता सीता को अपने आश्रम में आश्रय देना और लव-कुश उन्हें पिता जैसा स्नेह देने और लव-कुश को श्रेष्ठ संस्कार एवं शिक्षा प्रदान करने का उनका प्रसंग करुणा, संवेदनशीलता और गुरु-शिष्य परंपरा का अनुपम उदाहरण है।

वक्फ बोर्ड इंजीनियरिंग कॉलेज की बदहाली के लिए प्रशासक जिम्मेदार: हाजी सोहराब

नूंह। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के नेता एवं गुरुग्राम लोकसभा सीट से पार्टी के प्रत्याशी रहे हाजी सोहराब ने वक्फ बोर्ड इंजीनियरिंग कॉलेज की बदहाल स्थिति को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कॉलेज की मौजूदा परिस्थितियों के लिए वक्फ बोर्ड के प्रशासक को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि संस्थान में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। कॉलेज के लेक्चररों और हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थियों की समस्याओं को लेकर पिछले कई दिनों से धरना-प्रदर्शन चल रहे हैं, लेकिन इन समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। हाजी सोहराब ने कहा कि कॉलेज के लेक्चररों को कई-कई महीनों से वेतन नहीं मिल रहा है।

इससे शिक्षकों को पेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थियों की समस्याओं का भी समाधान नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थान में इस तरह की परिस्थितियां चिंताजनक हैं। सरकार और संबंधित अधिकारियों को

दुकानों में आगजनी के दौरान युवक की मौत के मामले में कैफे संचालक और ठेकेदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

कर विवेचना शुरू की। साक्ष्यों व मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर अदालत में चार्जशीट दाखिल की। मुकदमे की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से कुल सात गवाह पेश किए गए। बचाव पक्ष की ओर से पैसे के लेन-देन के विवाद और रंजिश में झूठा फंसाए जाने का दावा करते हुए छह सफाई गवाह पेश किए गए, जिन्हें अदालत ने साक्ष्यों के अभाव में खारिज कर दिया। अदालत ने अपने फैसले में टिप्पणी की कि समाज में पड़ोसियों पर विश्वास की भावना को ठेस पहुंचाने वाला यह कृत्य बेहद घृणित और गंभीर प्रकृति का है। 120 साल के कठोर कारावास की सजा के साथ ही अदालत ने यह भी आदेश दिया कि दोषी से वसूला जाने वाला पूरा 50 हजार रुपये का अर्थदंड पीड़िता के चिकित्सीय व्यय और पुनर्वास के लिए दिया जाएगा।

दुकानों में आगजनी के दौरान युवक की मौत के मामले में कैफे संचालक और ठेकेदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

अशोक कुमार, सद्भावना टुडे नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोयडा में थाना सेक्टर 126 क्षेत्र के रायपुर गांव के पास स्थित आधा दर्जन कैफे में शनिवार की शाम को आग लगने की घटना में एक युवक की जलकर मृत्यु हो गई थी। इस मामले में उसके परिजनों ने कैफे संचालक और ठेकेदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना सेक्टर- 126 के प्रभारी निरीक्षक सोमनेश कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को दलीप चंद्र ने पुत्र धुली चंद्र निवासी सरस्वती कुंज चिपियाना खुर्द तिगरी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 24 अक्टूबर की शाम को रायपुर गांव के पास स्थित नोकलुज कैफे के फूड स्टॉल पर मरम्मत का कार्य चल रहा था।

उक्त स्थान पर कैफे में फिनिशिंग/ बिजली फिटिंग का कार्य हो रहा था। उनके अनुसार उनका बेटा अन्य कर्मचारियों के साथ यह कार्य कर रहा था। इसी दौरान अचानक उक्त परिसर में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, तथा परिषर में मौजूद अन्य दुकानों/ कैफे को भी अपनी चपेट में ले लिया। उनके अनुसार आग की चपेट में आने से उनका बेटा

नूंह पुलिस ने साइबर ठगी के दो आरोपी पकड़े

नूंह। जिले में साइबर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए नूंह पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अलग-अलग मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद किए हैं। प्रारंभिक जांच में मोबाइल फोन से सोशल मीडिया अकाउंट, संदिग्ध चैट, क्यूआर कोड और अन्य डिजिटल साक्ष्य मिलने की बात सामने आई है। पुलिस ने दोनों मामलों में अलग-अलग मुकदमे दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जिला पुलिस प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि साइबर क्राइम थाना पुलिस तकनीकी इनपुट और साइबर क्राइम पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के आधार पर संदिग्ध गतिविधियों की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, पहले मामले में पिनगवां थाना क्षेत्र के गांव बुबलहेड़ी निवासी अरबाज के बारे में सूचना मिली थी कि वह कथित तौर पर फर्जी पहचान और मोबाइल फोन के जरिए साइबर ठगी में संलिप्त है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने गांव में खेतों के बीच बने एक मकान पर दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

नूंह जिले की मंडियों में 37,737 मीट्रिक टन बाजरे की खरीद

नूंह। जिले की अनाज मंडियों में बाजरे की सरकारी खरीद जारी है। 25 अक्टूबर तक जिले की पांच अनाज मंडियों में कुल 37,737 मीट्रिक टन बाजरे की खरीद दर्ज की गई है। तावड़ू मंडी खरीद के मामले में सबसे आगे है, जबकि पुन्हाना और फिरोजपुर झिरका मंडियों में भी बड़ी मात्रा में बाजरे की खरीद हुई है। उपायुक्त अखिल पिलानी ने संबंधित अधिकारियों को खरीद प्रक्रिया सुचारू बनाए रखने और किसानों को मंडियों में सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उपायुक्त ने कहा कि किसानों को गेट पास बनवाने, फसल की खरीद, माप-तोल और भुगतान के दौरान किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के साथ किसानों की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए। उन्होंने मार्केट कमेटी के अधिकारियों को मंडियों में बिजली, पेयजल, शौचालय और साफ-सफाई की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। जिले की मंडियों में 25 अक्टूबर तक हुई बाजरे की खरीद के आंकड़ों के अनुसार तावड़ू मंडी में 14,967.90 मीट्रिक टन बाजरा खरीदा गया। पुन्हाना मंडी में 11,110.10 मीट्रिक टन,

ढाई हजार स्ट्रीट लाइट्स से जगमग होंगी शहर की सड़कें व फुटपाथ

गुरुग्राम। शहर में सडक सुरक्षा, बेहतर रोशनी और नागरिकों की सुरक्षा व आवागमन को बेहतर करने के उद्देश्य से नगर निगम गुरुग्राम कार्य कर रहा है। इसके तहत पहले चरण में ढाई हजार स्ट्रीट लाइट्स शहर की सडकों व फुटपाथ पर लगाई जाएंगी। 19 सडकों के फुटपाथ और सेंट्रल वर्ज पर 2480 स्ट्रीट लाइटें लगाने का कार्य शुरू हो गया है। इनमें 10 सडकों के फुटपाथों पर 2050 तथा नौ सडकों के सेंट्रल वर्ज पर 430 स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी।

मेदांता रोड के फुटपाथ पर स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य पूरा कर लिया गया है। योजना के तहत फुटपाथों पर स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए चिह्नित 10 सडकों में हुडा सिटी सेंटर से सिग्नेचर चौक, हुडा सिटी सेंटर से गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड, हुडा सिटी सेंटर से बखावार सिंह चौक, बखावार सिंह चौक से मेदांता ट्रैफिक लाइट, हीरो

हॉंडा चौक से बखावार चौक, बखावार चौक से मेफील्ड गार्डन रोड, मेफील्ड गार्डन से एसपीआर रोड, सोहना रोड पर पार्क अस्पताल से मेफील्ड गार्डन, पार्क अस्पताल चौक से एसपीआर रोड तथा धर्म मार्ग शामिल हैं। वहीं, नौ सडकों के सेंट्रल वर्ज पर भी स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी।

इनमें सेक्टर डिवाइडिंग रोड 45-46, 45-53, 51-52-57, 53-56, 44-52, 51-52, 45-48 गुरुग्राम विश्वविद्यालय रोड औ सेक्टर डिवाइडिंग रोड 51-46 शामिल हैं। सडकों और फुटपाथों पर पर्याप्त रोशनी होने से रात के समय पैदल चलने वाले लोगों और वाहन चालकों को बेहतर दृश्यता मिलेगी। इससे दुर्घटनाओं की आशंका कम करने और अंधेरे वाले स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।



साहिल शर्मा बुरी तरह से झुलस गया।

उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने आरोप लगाया है कि उक्त कैफे में निर्माण/ फिनिशिंग एवं बिजली फिटिंग का कार्य कराया जाने के दौरान आवश्यक सुरक्षा मानको तथा अग्नि सुरक्षा संबंधित नियमों का पालन नहीं

किया गया, जिसकी वजह से उनके बेटे की जलकर मौत हुई है। पीड़ित ने कैफे संचालक, बिजली फिटिंग/ फिनिशिंग का कार्य करने वाले ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जिला स्तरीय मेगा रोजगार मेले में 668 युवाओं को मिले ऑफर लेटर

गुरुग्राम। सोमवार को यहां राजकीय कन्या महाविद्यालय सेक्टर-14 में आयोजित मेगा रोजगार मेले में 65 कंपनियों ने युवाओं के साक्षात्कार लेकर उन्हें नौकरी के लिए चयनित किया। इस रोजगार मेले में 1,456 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से 980 अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया गया और 668 युवाओं को हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ले ऑफर लेटर प्रदान किए गए।

इस अवसर पर अपने संबोधन में मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि युवाओं को उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा सकते हैं। युवाओं को अपने हुनर को निखारते हुए आगे बढ़ना चाहिए, ताकि वे अनुभव और कौशल के आधार पर भविष्य में अपना उद्योग या व्यवसाय स्थापित कर सकें और अन्य लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर सकें। वे सोमवार को राजकीय महिला महाविद्यालय, सेक्टर-14,

गुरुग्राम में आयोजित जिला स्तरीय मेगा रोजगार मेले में उपस्थित युवाओं को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने चयनित युवाओं को ऑफर लेटर भी वितरित किए। उन्होंने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और तकनीक के साथ उद्योगों की जरूरतें भी बदल रही हैं।

ऐसे में युवाओं को केवल नौकरी पाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि अपने कौशल और व्यावहारिक ज्ञान को लगातार बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नए उद्योग स्थापित होने और निवेश बढ़ने से रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। युवाओं को इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए स्वयं को तैयार करना होगा। उन्होंने विकसित भारत के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि आर्थिक प्रगति के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण भी महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने युवाओं से सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने और गुरुग्राम को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में योगदान देने की अपील की।



फिरोजपुर झिरका मंडी में 9,655.40 मीट्रिक टन, नूंह मंडी में 1,710.80 मीट्रिक टन और पिनगवां मंडी में 292.80 मीट्रिक टन बाजरे की खरीद दर्ज की गई है। वहीं, 25 अक्टूबर को जिले की मंडियों में कुल 9.50 मीट्रिक टन बाजरे की खरीद हुई। इसमें तावड़ू मंडी में चार मीट्रिक टन और फिरोजपुर झिरका मंडी में 5.50 मीट्रिक टन बाजरा

खरीदा गया। उपायुक्त अखिल पिलानी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडियों में खरीदे गए बाजरे का समय पर उठान सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए अनावश्यक इंतजार न करना पड़े। इसके साथ ही फसल की नमी की जांच और खरीद प्रक्रिया पर नियमित निगरानी रखी जाए।

इस्लामो-वामपंथ के विरुद्ध यूरोप में खुला मोर्चा

पुष्परंजन

पिछले हफ्ते के आखिर में फ्रांस में विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गए, तो फ्रांस के धुर दक्षिणपंथी गुटों ने तुरंत नस्लवादी भाषा का इस्तेमाल करते हुए इस हिंसा के लिए मुस्लिम युवाओं को दोषी ठहराया। जुलाई-अगस्त में, जब सैकड़ों प्रवासियों ने पड़ोसी मोरक्को से स्पेन के क्षेत्र स्यूटा में घुसने की कोशिश की, तो स्पेन के धुर दक्षिणपंथियों ने इसे मोरक्को के लोगों द्वारा किया गया एक सुनियोजित 'हमला' करार दिया। लेकिन अभी पूरे यूरोप में जो कुछ हो रहा है, उसका ठीकरा मुसलमानों और वामपंथियों पर फोड़ा जा रहा है। हालाँकि, यह उम्मीद की जा सकती है कि धुर दक्षिणपंथी गुट संकटों का फायदा उठाकर इस्लाम-विरोधी भावनाएँ (इस्लामोफोबिया) भड़काएंगे। अब बात यहीं तक सीमित नहीं रह गई है। पिछले हफ्ते, जब फ्रांस में छात्रों का विरोध प्रदर्शन जोर पकड़ रहा था, तब यूरोपीय संसद ने चुपचाप एक प्रस्ताव पारित किया। यह प्रस्ताव 'इस्लामिस्ट एंटीज्म' (इस्लामी घुसपैठ) और मुस्लिम ब्रदरहुड नेटवर्क के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए एक ईयू रणनीति की आवश्यकता पर केंद्रित था। इसे संसद के सबसे बड़े समूह, सेंटर-राइट यूरोपियन पीपल्स पार्टी (ईपीपी) ने पेश किया था। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फॉन देयर लॉयन भी इसी समूह से आती हैं।

यह प्रस्ताव 381 वोटों के समर्थन से पारित हुआ, जबकि 167 वोट इसके खिलाफ पड़े। ब्रसेल्स स्थित यूरोपीय संसद के 15 सदस्य इस मसदांन से दूर रहे। चार अन्य समूहों ने भी लगभग सर्वसम्मति से ईपीपी का समर्थन किया। इनमें पैट्रियट्स फॉर यूरोप और यूरोप ऑफ सॉवरेन नेशंस (दोनों धुर दक्षिणपंथी समूह), उदारवादी रिन्यू यूरोप तथा यूरोपियन कंजर्वेटिव्स एंड रिफॉर्मिस्ट्स शामिल हैं। सोशल डेमोक्रेट्स, वामपंथी और ग्रीन्स के सांसदों ने ज्यादातर इसके खिलाफ वोट दिया, लेकिन वे इसे रोक नहीं पाए। यह प्रस्ताव फ्रांसीसी सरकार की 'राजनीतिक इस्लामवाद' पर आई एक बेहद विवादास्पद रिपोर्ट पर आधारित है। इसमें 'इस्लामिस्ट एंटीज्म' को 'प्रभाव जमाने, धीरे-धीरे ढांचा तैयार करने, संस्थाओं के भीतर पैठ बनाने और विचारधारा को वैधता दिलाने की एक राजनीतिक रणनीति' के रूप में परिभाषित किया गया है। इसमें दावा किया गया है कि 'इस्लामी प्रभाव कई तरह के संगठनों और फाउंडेशनों के जरिए काम करता है। इनमें सांस्कृतिक, शैक्षिक, धार्मिक, धर्मार्थ, विश्वविद्यालय, युवा, भेदभाव-विरोधी और सामाजिक कार्यों से जुड़े ढांचे शामिल हैं। यूरोप में लगभग 45 से 62 मिलियन मुसलमान रहते हैं। ये इस महाद्वीप की कुल आबादी का लगभग 7.6 फीसदी हिस्सा हैं। इनमें से सबसे बड़ी संख्या रूस, फ्रांस, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम और इटली में रहती है। प्यू रिसर्च सेंटर के अनुसार, रूस में अधिकतम 17 फीसदी मुसलमान हैं, जिनमें तातार और चेचेन जैसे मूल निवासी शामिल हैं। फ्रांस में करीब 68 लाख मुसलमान हैं, जो कुल आबादी का अधिकतम 10 प्रतिशत बताए जाते हैं। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट के अनुसार, जर्मनी की कुल आबादी में लगभग 7 फीसदी मुसलमान हैं। ब्रिटेन में 40 लाख



मुसलमान हैं, जो कुल आबादी का लगभग 6 प्रतिशत हैं।

इटली में अधिकतम 40 लाख मुसलमान हैं, जो कुल आबादी का लगभग 6 से 7 फीसदी हैं। भारत के मुकाबले ये संख्याएँ कुछ भी नहीं हैं। फिर भी यूरोप डरा हुआ है। और यह डर दक्षिणपंथी ताकतों को मजबूत करता है। इस प्रस्ताव को लागू करना यूरोपीय संघ के सदस्य

देशों के लिए अनिवार्य नहीं है। लेकिन यूरोपीय राजनीति में इसे दर्ज कराना था, और यह मकसद पूरा हो गया। मुस्लिम ब्रदरहुड और उससे जुड़े लोगों या संस्थाओं को आतंकवादी सूची में डालने की मांग के पूरे यूरोप में लागू होने की संभावना कम है, क्योंकि इस आंदोलन ने राजनीतिक हथियार के रूप में हिंसा का त्याग कर दिया है। फिर भी,

मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, अलनीनो का असर केवल मानसून तक सीमित नहीं रहेगा। इसके मजबूत बने रहने पर सर्दियों में भी तापमान सामान्य से अधिक रहने की आशंका है। उत्तर भारत में सर्दियों के छोटा होने और फरवरी-मार्च में गर्मी बढ़ने का रुझान पहले से ही देखा जा रहा है। यही नहीं, पश्चिमी विक्षोभ, हिमालय में बर्फबारी और हिंद महासागर की स्थिति की भूमिका भी इसमें काफी महत्वपूर्ण होगी। वर्ष 2023-24 के मजबूत अलनीनो ने 2024 को दुनिया का सबसे गर्म साल बनाने में प्रमुख भूमिका निभाई थी। ठीक उसी तरह, इस साल भी तापमान का नया रिकॉर्ड बनने का खतरा बना हुआ है। संभावना है कि दिसंबर महीने में तापमान उच्च स्तर पर पहुंच जाएगा। इससे पहले अलनीनो की स्थिति और तीव्र होगी, जो चार डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकती है। गौरतलब है कि यह अब तक की सर्वाधिक तापमान वृद्धि होगी। इससे स्पष्ट है कि अलनीनो का दायरा लगातार बढ़ रहा है। इससे पहले 2015 में अधिकतम 2.6 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी का रिकॉर्ड दर्ज किया गया था। मौसम विज्ञानी रयान माउ का कहना है कि अलनीनो सर्दियों में अपनी अधिकतम शक्ति पर बना रहेगा और अमेरिका को छोड़कर हर जगह वैश्विक तापमान में बढ़ोतरी होगी। प्रभावित क्षेत्रों में तापमान सामान्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया है, जो इतिहास में दर्ज किसी भी पिछले अलनीनो से अधिक है।

फसल संरक्षण व सेहत सुरक्षा हो प्राथमिकता

ज्ञानेंद्र रावत

अलनीनो भयावह खतरे का सबब बनता जा रहा है। दुनिया के मौसम विज्ञानियों ने अलनीनो के खतरनाक स्तर को 'सुपर-डुपर अलनीनो' नाम दिया है। शिकागो विश्वविद्यालय के एनजी पॉलिंसी इंस्टीट्यूट की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, सामान्य वर्षों की तुलना में सुपर-डुपर अलनीनो के कारण अगले छह महीनों में दुनिया भर में करीब 4.51 लाख अतिरिक्त मौतें हो सकती हैं। अलनीनो पहले से गर्म होती जलवायु पर अपना असर दिखा रहा है, जिससे आने वाले महीनों में तापमान के रिकॉर्ड टूटने की संभावना बढ़ रही है। इस बार फरवरी में ही गर्मी दस्तक दे सकती है। सुपर अलनीनो के प्रभाव से आने वाले महीनों में वैश्विक स्तर पर सतह का तापमान 1.2 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रह सकता है। अनुमान है कि अगले 20 वर्षों तक तापमान का यही रुझान देखने को मिल सकता है। विश्व मौसम संगठन की हालिया चेतावनी के मुताबिक, अलनीनो फरवरी 2027 तक बना रह सकता है। ऐसी स्थिति में इसका असर भारत में अगले मानसून की शुरुआत तक रहने की संभावना है। चिंता की बात यह है कि यह सर्दियों की बारिश और तापमान को भी प्रभावित कर सकता है। यही नहीं, दुनिया के कई हिस्सों में तापमान और बारिश के पैटर्न पर भी इसका असर पड़ सकता है। नतीजतन, कहीं सूखे की स्थिति बन सकती है, तो कहीं सामान्य से अधिक बारिश और बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है। दरअसल, विश्व मौसम संगठन के पूर्वानुमान के मुताबिक, नवंबर महीने में तापमान के चरम पर पहुंचने की संभावना जताई गई थी। लेकिन अब प्रशांत महासागर में भूमध्य रेखा के पास समुद्र का तापमान सामान्य से तीन गुना अधिक है और इसमें तेजी से बढ़ोतरी की आशंका है। समुद्र की गहराई में भी कई हिस्सों में पानी सामान्य से आठ डिग्री तक अधिक गर्म पाया गया है, जिससे अलनीनो को और ताकत मिली है। वैज्ञानिकों का मानना है कि दुनिया के सभी भूभागों में इस साल नवंबर तक सामान्य से अधिक तापमान रहेगा। प्रशांत महासागर का पानी गर्म होने पर भारत की ओर आने वाली हवाओं के दबाव और उनकी दिशा में बदलाव आता है। इससे बादलों की आवाजाही और बारिश का रास्ता भी बदल सकता है। यही अहम कारण है कि प्रशांत महासागर में होने वाला बदलाव भारत जैसे हजारों किलोमीटर दूर स्थित देशों के मौसम को भी प्रभावित करता है।

मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, अलनीनो का असर केवल मानसून तक सीमित नहीं रहेगा। इसके मजबूत बने रहने पर सर्दियों में भी तापमान सामान्य से अधिक रहने की आशंका है। उत्तर भारत में सर्दियों के छोटा होने और फरवरी-मार्च में गर्मी बढ़ने का रुझान पहले से ही देखा जा रहा है। यही नहीं, पश्चिमी विक्षोभ, हिमालय में बर्फबारी और हिंद महासागर की स्थिति की भूमिका भी इसमें काफी महत्वपूर्ण होगी। वर्ष 2023-24 के मजबूत अलनीनो ने 2024 को दुनिया का सबसे गर्म साल बनाने में प्रमुख भूमिका निभाई थी। ठीक उसी तरह, इस साल भी तापमान का नया रिकॉर्ड बनने का खतरा बना हुआ है। संभावना है कि दिसंबर महीने में तापमान उच्च स्तर पर पहुंच जाएगा। इससे पहले अलनीनो की स्थिति और तीव्र होगी, जो चार डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकती है। गौरतलब है कि यह अब तक की सर्वाधिक तापमान वृद्धि होगी। इससे स्पष्ट है कि अलनीनो का दायरा लगातार बढ़ रहा है। इससे पहले 2015 में अधिकतम 2.6 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी का रिकॉर्ड दर्ज किया



गया था। मौसम विज्ञानी रयान माउ का कहना है कि अलनीनो सर्दियों में अपनी अधिकतम शक्ति पर बना रहेगा और अमेरिका को छोड़कर हर जगह वैश्विक तापमान में बढ़ोतरी होगी। प्रभावित क्षेत्रों में तापमान सामान्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया है, जो इतिहास में दर्ज किसी भी पिछले अलनीनो से अधिक है। यह 1950 के बाद से दर्ज की गई सबसे शक्तिशाली मौसमी घटनाओं में से एक हो सकती है। दरअसल, अलनीनो की स्थिति में मानसून कमजोर और अनियमित रहता है।

साथ ही, अधिक गर्मी पड़ने से मिट्टी में नमी कम हो जाती है, जिससे खरीफ की फसलों की पैदावार घटने की आशंका रहती है। खरीफ का सीजन सीधे तौर पर देश की खाद्य सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। धान, मक्का, दालें और तिलहन जैसी प्रमुख फसलें इसी मौसम में बोई जाती हैं। ऐसे में अलनीनो का खतरा केवल मौसम का मुद्दा नहीं है, बल्कि उत्पादन, खाद्य कीमतों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से भी जुड़ा हुआ है। इस स्थिति में सबसे बड़ी चिंता उन क्षेत्रों को लेकर है, जहां खेती अब भी बारिश पर निर्भर है। भारत अलनीनो के कारण सर्वाधिक जोखिम वाले देशों में शामिल है। क्लाइमेट ट्रेन्ड्स के

मुताबिक, उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में अलनीनो और जलवायु परिवर्तन का संयुक्त प्रभाव खेती से जुड़े जोखिम बढ़ा रहा है। वर्ष 2050 तक इन दोनों के मिले-जुले प्रभाव से वैश्विक फसल पैदावार आधार स्थिति की तुलना में 10 से 25 प्रतिशत तक घट सकती है। इस संबंध में एम्स के एक संकाय सदस्य और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ का कहना है कि हर परिस्थिति और हर स्तर पर हीट एक्शन प्लान लागू करने जैसी रणनीतियों पर तत्काल काम करने की जरूरत है। उनके अनुसार, बुजुर्गों, पहले से बीमार लोगों, बच्चों, गर्भवती महिलाओं और खुले में काम करने वाले श्रमिकों जैसे कमजोर वर्गों को प्राथमिकता देना जरूरी है। चूँकि जलवायु परिवर्तन का प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है, इसलिए ऐसे हालात से निपटने के लिए मौसमी पूर्वानुमानों के आधार पर बुआई से पहले फसलों में बदलाव किए जाने चाहिए। राज्यों में सूखा घोषित करने की प्रक्रिया सरल बनाई जानी चाहिए। कृषि योजनाओं में बहुवर्षीय जलवायु जोखिम मॉडल को शामिल किया जाना चाहिए। साथ ही, दीर्घकालिक विकास की क्षमता बनाए रखने के लिए अर्थव्यवस्था के ढांचे को मजबूत करने के प्रयास किए जाने चाहिए।

यह प्रस्ताव एक ऐसे वैचारिक ढांचे को वैधता देता है, जिसके मुस्लिम समुदायों के लिए गंभीर परिणाम हो सकते हैं। आने वाले दिनों में इसकी नकल भारत में भी हो सकती है, इससे इनकार नहीं किया जा सकता। यह प्रस्ताव उन मुस्लिम संस्थानों और संगठनों को संदेह के घेरे में लाता है, जो सरकार से स्वतंत्र होकर काम करते हैं। यह मुस्लिम नागरिक समाज की भागीदारी को एक तरह की 'घुसपैठ' के रूप में पेश करता है। प्रस्ताव में ब्रसेल्स स्थित यूरोपियन नेटवर्क अगेस्ट रेसिज्म सहित कई संगठनों का नाम लिया गया है, जिन पर इस तरह के 'इस्लामिस्ट' व्यवहार को बढ़ावा देने का आरोप है। प्रस्ताव में मांग की गई है कि इन संगठनों को मिलने वाली ईयू फंडिंग रोक दी जाए। बाहरी ताकतें इसका आसानी से दुरुपयोग कर सकती हैं, और ऐसा हो भी चुका है। उदाहरण के लिए, संयुक्त अरब अमीरात ने यूरोप और अन्य जगहों पर व्यक्तियों और संगठनों को मुस्लिम ब्रदरहुड से संबद्ध बताकर बदनाम करने के लिए एक व्यापक अभियान चलाया है। दिलचस्प बात यह है कि प्रस्ताव पेश किए जाने से कुछ महीने पहले, अमीरात के एक राजदूत ने यूरोपीय संसद में आयोजित 'मुस्लिम ब्रदरहुड : यूरोप के लिए एक वास्तविक खतरा' शीर्षक वाले सम्मेलन में भाग लिया था। यानी, इसकी भूमिका पहले से ही तैयार कर ली गई थी।

प्रतीकात्मक रूप से, यह प्रस्ताव यूरोप की दक्षिणपंथी मुस्लिम-विरोधी ताकतों के लिए एक बड़ी जीत है। यह प्रस्ताव यह भी दर्शाता है कि यूरोपीय इस्लामोफोबिया किस तरह विकसित हुआ है। अब डर इस बात का नहीं है कि आप्रवासी अजनबी हैं और 'एकीकृत' नहीं हो पा रहे हैं, बल्कि उन मुसलमानों से है, जो अपने लिए बोलने और अपने नागरिक अधिकारों की रक्षा करने में सक्षम हैं। मध्यम दक्षिणपंथी ताकतों के लिए यह इस्लामोफोबिक ढांचा राजनीतिक लाभ लेकर आता है। इसके जरिए वे न केवल मुस्लिम-विरोधी भय फैलाकर चुनावी लाभ उठा सकती हैं, बल्कि उन वामपंथियों पर भी प्रहार कर सकती हैं, जो नस्लवाद को अस्वीकार करते हैं और मुस्लिम समुदायों के पक्ष में खड़े होते हैं। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि फ्रांस के राजनीतिक परिदृश्य में 'इस्लामो-वामपंथ' (फ्रांसीसी में 'इस्लामो-गोशिज्म') के विचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। वामपंथी पार्टी ला फ्रांस इंसीमिस (फ्रांस अनबाउंड) के ज्यां-ल्यूक मेलेंशों हाशिए पर पड़े समुदायों के बीच विशेष रूप से लोकप्रिय हैं और राष्ट्रपति पद के प्रबल दावेदार हैं। अब उन पर 'दंगाइयों' को उकसाने का आरोप लगाया जा रहा है, जिनके बारे में संकेत दिया जा रहा है कि वे मुसलमान हैं। वामपंथियों और मुसलमानों पर यह दोहरा हमला पुराने 'यहूदी-बोल्लेशेविक' साजिश सिद्धांत की याद दिलाता है, जिसमें यहूदियों पर पश्चिमी सभ्यता को नष्ट करने के उद्देश्य से साम्यवाद फैलाने का आरोप लगाया गया था। आज, 'इस्लामो-वामपंथ' रूढ़िवादियों, उदारवादियों और धुर दक्षिणपंथियों के लिए एक 'बलि का बकरा' बन गया है। उनका मकसद मुसलमानों के बिना एक किलेबंद यूरोप बनाना प्रतीत होता है। इस समय यह कहना मुश्किल है कि फ्रांस का दक्षिणपंथ भारत से कितना प्रभावित है!

विचार धैर्य-परिश्रम बदल सकते हैं बहती जीवनधारा

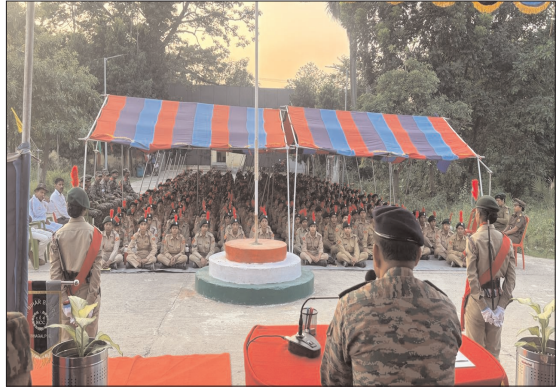
रोहित कौशिक

हमारी जिंदगी उस नाव की तरह है जो समय की धारा में अपने आप बहने लगती है। हम एक निश्चित दिशा में आगे बढ़ना चाहते हैं, लेकिन कभी-कभी समय की धारा अपने हिसाब से हमारी नाव का रुख मोड़ देती है। कुछ समय बाद जब हम अपनी जिंदगी के पिछले सफर पर गौर करते हैं, तो हमें पता चलता है कि हमें कहां पहुंचना था और हम कहां पहुंच गए हैं। दरअसल, यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। दो मित्रों के जीवन की कहानियां याद आ रही हैं। एक मित्र पढ़ने में बहुत तेज था और इंजीनियर बनना चाहता था, लेकिन घर की परिस्थिति ऐसी नहीं थी कि उसकी पढ़ाई पर ज्यादा खर्च किया जा सके। वह केवल इंटरमीडिएट तक ही पढ़ पाया और आज अपनी एक छोटी-सी दुकान संभाल रहा है। दूसरे मित्र के घर की स्थिति काफी अच्छी थी और वह पढ़ने में भी ठीक-ठाक था। वह डॉक्टर बनना चाहता था। काफी तैयारी करने के बाद भी वह प्रतियोगी परीक्षा में सफल नहीं हो पाया और आज वह अपने परिवार का एक बड़ा व्यवसाय संभाल रहा है। आज दोनों ही मित्र कहते हैं कि जीवन की आपाधापी में हमें पता ही नहीं चला कि कब हमारा रास्ता बदल गया और हम कैसे उस रास्ते पर बहुत आगे भी निकल आए। गृहस्थी की उलझनों में हमें बहुत दिनों तक ऐसे मुद्दों पर सोचने का समय ही नहीं मिलता है और हम बहुत दूर निकल जाते हैं। जिंदगी में एक पड़ाव ऐसा आता है, जब हम अपने जीवन को पीछे मुड़कर देखते हैं। तब हमें यह अहसास होता है कि हमने अपने जीवन में कहां-कहां चूक की है। जरूरी नहीं कि ये चूक जानबूझकर की गई हों। कभी-कभी अजानने में भी ये चूक हो जाती हैं। कभी किसी अन्य परिस्थिति के कारण हम उस रास्ते पर निकल जाते हैं, जिस पर जाना नहीं चाहते थे।

बहरहाल, हम जिंदगी के इन रास्तों का विश्लेषण करते रहते हैं, लेकिन शायद जिंदगी के कुछ रास्ते विश्लेषण से परे होते हैं। इसीलिए ऐसे विश्लेषण से हमारे हाथ कुछ नहीं लगता है। असली सवाल यह है कि हम अपने वर्तमान जीवन से खुश हैं या नहीं। दरअसल, हम जीवन में जो बनना चाहते हैं, वह बनकर भी खुश नहीं रह पाते हैं। इसी तरह, अगर हम वह न बन पाएं, तो भी खुश रह सकते हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि हम जो चाहते हैं, वह कभी पूरा नहीं होता। किसी भी काम के प्रति हमारी लगन और मेहनत ही हमारी सफलता का आधार बनती है। यही कारण है कि हम जो चाहते हैं, वह पूरा भी होता है। इसीलिए हमारे अंदर आगे बढ़ने की चाहत हमेशा बनी रहती है। कई बार हम जिस रास्ते पर आगे बढ़ना चाहते हैं, परिस्थितिवश उस रास्ते पर आगे नहीं बढ़ पाते। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि हमारे लिए सारे रास्ते बंद हो गए हैं। जब एक रास्ता बंद होता है, तो दूसरा रास्ता खुलता है। हम एक रास्ता लेने के बाद हमें दूसरे रास्ते पर आगे बढ़ने की कोशिश करनी चाहिए। हमें ऐसे अनेक उदाहरण मिल जाएंगे, जब लोग एक रास्ते पर चलकर सफल नहीं हो पाए, लेकिन दूसरे रास्ते पर चलकर सफलता की एक नई कहानी लिख दी। हमें ऐसे भी अनेक उदाहरण मिलेंगे, जब लोग ताड़म रास्ते बदलते रहे और उन्हें सफलता नहीं मिली, लेकिन जिंदगी के आखिरी पड़ाव पर उन्हें अभूतपूर्व सफलता मिली। इसलिए हमें किसी भी कीमत पर निराश नहीं होना है। सफर में हमें यह पता नहीं रहता कि इस रास्ते पर चलकर हम सफल होंगे या नहीं। जरूरत इस बात की है कि हम पूरी ईमानदारी के साथ अपने रास्ते पर आगे बढ़ें। आगे बढ़ने के जुनून और हौसले को हमें किसी भी हाल में कम नहीं होने देना है। यह जुनून और हौसला ही अंततः हमें सफल बनाता है। अगर हम किसी रास्ते पर आगे बढ़ेंगे ही नहीं, तो हमारी अनेक संभावनाएं समाप्त हो जाती हैं। हमें हर हाल में संभावनाओं के लिए अपने द्वार खुले रखने हैं। जिन लोगों में परिश्रम करने और आगे बढ़ने की इच्छा नहीं होती है, वे इस जिंदगी से तमाम शिकायतें करते हैं। हमें यह समझना होगा कि शिकायतों से कोई भी काम हल नहीं होता है। अपने रास्तों पर बिना शिकायतों के आगे बढ़ना ही हमारा उद्देश्य होना चाहिए।

एक नजर

47 बिहार बटालियन एनसीसी का 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर महिला आईटीआई, बरारी में शुरू



भागलपुर,एजेंसी। 47 बिहार बटालियन एनसीसी, भागलपुर के तत्वावधान में 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का विधिवत शुभारंभ महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कॉलेज, बरारी में हुआ। 24 अक्टूबर से 02 नवंबर तक चलने वाले इस विशेष बालिका शिविर में क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों एवं कॉलेजों की 500 से अधिक कैडेट्स हिस्सा ले रही हैं। महिला आईटीआई कॉलेज परिसर में पहली बार इस तरह के भव्य एनसीसी कैंप का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कैंप कमांडेंट कर्नल जितेंद्र सिंह राना ने सभी बालिका कैडेट्स का उत्साहवर्धन किया और उनके उच्च मनोबल की प्रशंसा की।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा, ‘यह प्रशिक्षण शिविर केवल शारीरिक अभ्यास और हथियारों के बुनियादी ज्ञान तक सीमित नहीं होगा, बल्कि यह आपके भीतर त्वरित निर्णय क्षमता, टीम भावना, अटूट अनुशासन और आत्मनिर्भरता विकसित करने की एक मजबूत कार्यशाला है। एनसीसी युवाओं के सर्वांगीण विकास, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र सेवा की भावना को मजबूत करने का एक उत्कृष्ट मंच है। शिविर के दौरान सीखी गई सीख और दिनचर्या कैडेट्स को जीवन की हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार करेगी। कर्नल राना ने एनसीसी के ध्येय वाक्य ‘एकता और अनुशासन’ को जीवन में उतारने के साथ-साथ शिविर परिसर में पूर्ण सुरक्षा और स्वच्छता बनाए रखने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने पहली बार महिला आईटीआई में कैंप के सफल आयोजन के लिए कॉलेज के प्रिंसिपल श्री राजीव रंजन एवं एएनओ लेफ्टिनेंट हेमलता के विशेष प्रयासों की सराहना की और उन्हें इस पहल का मुख्य श्रेय दिया।

सड़कों की सेहत सुधारने के लिए एतशन में भागलपुर प्रशासन, डीएम ने दिए औचक जांच के आदेश



भागलपुर। जिले में सड़कों की स्थिति सुधारने, यातायात को सुगम बनाने और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी ने एक बड़ा कदम उठाया है। जिले की सरकारी निधि से बनी और अनुरक्षित सड़कों की गुणवत्ता परखने के लिए जिलाधिकारी द्वारा विशेष जांच पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है, जो विभिन्न क्षेत्रों में सड़कों की भौतिक स्थिति की धरातलीय जांच करेंगे। जारी आदेश के मुताबिक, पथ प्रमंडल भागलपुर और इससे जुड़े उप प्रमंडलों के तहत आने वाली प्रमुख सड़कों की स्थलीय जांच की जाएगी। इस मुहिम में मुख्य रूप से भागलपुर, नवगछिया, कहलगांव और सुल्तानगंज क्षेत्र की महत्वपूर्ण सड़कों को शामिल किया गया है।क्षसड़कों की बारीकी से जांच करने के लिए प्रशासन ने एक विस्तृत रूपरेखा तैयार की है। जांच अधिकारी मुख्य रूप से सड़कों पर बने गड्ढों की मरम्मत, पुल-पुलिया की मरम्मत और सफाई, सड़क के किनारों और शोल्डर की स्थिति, संकेतक बोर्ड (साइन बोर्ड) की उपलब्धता, क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत और पैच वर्क, क्रेश बैरियर की स्थिति, सड़क की सतह पर धंसाव एवं रॉटिंग, रोड मार्किंग (सड़क चिह्नांकन) दरारों की सीलिंग, सड़कों पर जलजमाव की समस्या, सड़क किनारे उगी झाड़ियों की सफाई एवं ड्रेनेज और पानी की निकासी की जांच करेंगे। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि सभी प्रतिनियुक्त जांच पदाधिकारी 27 अक्टूबर 2026 तक अपने-अपने आवंटित रूटों की स्थलीय जांच पूरी कर लें। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को जांच प्रतिवेदन (रिपोर्ट) के साथ सड़कों की वास्तविक तस्वीरें भी संलग्न करनी होंगी। यह रिपोर्ट जिला विकास शाखा, भागलपुर में जमा की जाएगी।

सनातन संस्कृति और जनसहभागिता से साकार होगा विकसित भारत एवं समृद्ध बिहार का संकल्प : सम्राट चौधरी



पटना,एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को कहा कि सनातन संस्कृति, संतों के आशीर्वाद और जनसहभागिता से विकसित भारत एवं समृद्ध बिहार का संकल्प साकार होगा। भारत की गौरवशाली सभ्यता और संस्कृति हजारों वर्षों से पूरी दुनिया का मार्गदर्शन करती रही है। देश की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखते हुए विकास के नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सोमवार को कैमूर जिले के भभुआ प्रखंड अंतर्गत परसिया गांव में आयोजित श्री भाष्यकार श्रीरामानुजाचार्य सहस्राब्दी महामहोत्सव एवं अंतर्राष्ट्रीय धर्म सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे

दिव्य एवं भव्य धर्म सम्मेलन में शामिल होना उनके लिए सौभाग्य की बात है। संतों के आशीर्वाद से ही देश और समाज का कल्याण होता है। सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत को सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री का संकल्प देश को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना और औद्योगिक विकास को नई गति देना है। ‘मेक इन इंडिया’ जैसी पहलों के माध्यम से देश की औद्योगिक क्षमता बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके साथ ही भारत की समृद्ध सभ्यता और संस्कृति को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाई जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार भी विकास और समृद्धि की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा

लंबित मामलों पर डीएम सरख्त, समय-सीमा में निष्पादन का निर्देश

किशनगंज। जिले के विभिन्न विभागों में लंबित मामलों के निष्पादन में लापरवाही और अनावश्यक देरी पर जिलाधिकारी नवीन कुमार ने सख्त रुख अपनाया है। सोमवार को उनकी अध्यक्षता में आयोजित जिला समन्वय समिति की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में विभागवार कार्यों की प्रगति, जनशिकायतों के समाधान और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई। डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिया कि लंबित मामलों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित करें। जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में सीडब्ल्यूजेसी, एमजेसी, नीलाम पत्र वाद, मुख्यमंत्री डेशबोर्ड, प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) पोर्टल, विधानसभा सचिवालय से प्राप्त पत्रों तथा जिलाधिकारी जनता दरबार में लंबित मामलों की समीक्षा की गई। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर मामलों का निष्पादन करने और लंबित पत्रों की नियमित निगरानी करने का निर्देश दिया। नए राशन कार्ड निर्माण की समीक्षा के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी को पात्र लाभुकों के आवेदन मिशन मोड में निष्पादित करने का निर्देश दिया गया। वहीं,

अनुकंपा के आधार पर निवृत्ति के

लंबित मामलों की समीक्षा कर

नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा

गया। राष्ट्रीय एवं बिहार

मानवाधिकार आयोग से प्राप्त मामलों

में भी निर्धारित समय-सीमा के

भीतर कार्रवाई कर प्रतिवेदन

उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया।

डीएम ने लंबित एसी-डीसी बिलों

का नियमानुसार समायोजन करने

तथा आवश्यक अभिलेखों और

प्रक्रियाओं को शीघ्र पूरा करने का

निर्देश दिया। उपयोग में नहीं आ रहे

अनावश्यक बैंक खातों की समीक्षा

कर उन्हें नियमानुसार बंद करने को

भी कहा गया, ताकि वित्तीय प्रबंधन

में पारदर्शिता और जवाबदेही बनी

रहे। विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों

के भवन निर्माण के लिए भूमि को

उपलब्धता की समीक्षा करते हुए

अंचलाधिकारियों को आवश्यक

जमीन चिह्नित कर उपलब्ध कराने

की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश

दिया गया। कायाकल्प मिशन के

लंबित कार्यों को भी प्राथमिकता के

आधार पर पूरा करने को कहा गया।

इसके अलावा दिव्यांग बच्चों के

शत-प्रतिशत यूडीआईडी कार्ड

निर्माण का लक्ष्य पूरा करने के लिए

पात्र बच्चों की पहचान, दस्तावेजों

की उपलब्धता और आवेदन संबंधी

समस्याओं का शीघ्र समाधान करने

का निर्देश दिया गया।

सबौर के बरारी में पंचायत सरकार भवन निर्माण पर उठे सवाल, ग्रामीणों ने डीडीसी से की शिकायत

भागलपुर। जिले के सबौर प्रखंड अंतर्गत

ग्राम पंचायत बरारी में निर्माणाधीन पंचायत

सरकार भवन विवादों के घेरे में आ गया है।

भवन निर्माण कार्य में कथित अनियमितता,

मानकों की अनदेखी और अत्यधिक देरी का

आरोप लगाते हुए स्थानीय ग्रामीणों में भारी

आक्रोश है। इस मामले को लेकर ग्रामीणों के

एक प्रतिनिधिमंडल ने भागलपुर के उप विकास

आयुक्त से लिखित शिकायत कर मामले में

तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है।

ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की उच्च स्तरीय

निष्पक्ष जांच कराने और गुणवत्तापूर्ण काम

सुनिश्चित कराने का आग्रह किया है। डीडीसी

को सौंपे गए शिकायत पत्र के अनुसार, बरारी

पंचायत में पंचायत सरकार भवन का निर्माण

कार्य एक निजी कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा कराया

जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण की

गति कछुआ चाल से भी धीमी है। पिछले कई

वर्षों से (वर्ष 2024 से पहले से) चल रहा यह

निर्माण कार्य आज तक पूरा नहीं हो सका है,

जिसके कारण भवन की पहली छत की ढलाई

भी नहीं हो पाई है। निर्माण में हो रही इस लेत-

लतीपी के कारण स्थानीय जनता को पंचायत

सरकार भवन के माध्यम से मिलने वाली

प्रशासनिक सुविधाओं और सरकारी योजनाओं

के लाभ के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है।

शिकायत में भवन की तकनीकी मजबूती की

लेकर भी गंभीर सवाल पड़े किए गए हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि ठेकेदार द्वारा निर्माण में

कथित तौर पर घटिया और अमानक सामग्री का

इस्तेमाल किया जा रहा है। कंक्रीट मिक्सिंग से

बिहार में राजस्व विभाग का बड़ा एवशन: छह सीओ पर गिरी गाज, किशनगंज के दो अधिकारी भी घेरे में

किशनगंज। राजस्व कार्यों में कथित अनियमितता, दाखिल-खारिज मामलों के निष्पादन में लापरवाही और सरकारी निर्देशों की अवहेलना को लेकर बिहार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल के निर्देश पर सोमवार को राज्य के छह अंचल अधिकारियों के विरुद्ध दंडात्मक एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई से संबंधित आदेश जारी किए गए।

कार्रवाई की जद में किशनगंज जिले के ठाकुरगंज और किशनगंज के तत्कालीन अंचल अधिकारी भी शामिल हैं। विभागीय विवरण के अनुसार, ठाकुरगंज के तत्कालीन अंचल अधिकारी ओम प्रकाश भागत पर जाति प्रमाण-पत्र निर्गत करने में अनियमितता का आरोप है। आरोप है कि निर्धारित अर्हता पूरी नहीं होने के बावजूद पिछड़ा वर्ग की सूची में शामिल जाति के प्रमाण-पत्र जारी किए गए। इस मामले में उनकी दो वेतनवृद्धियों पर संचयी प्रभाव से रोक लगाने का दंड दिया गया है। साथ ही, उनके विरुद्ध अपराधिक मुकदमा दर्ज कराने तथा संबंधित राजस्व अधिकारी और राजस्व कर्मचारी पर भी प्राथमिकी दर्ज कराने का आदेश दिया गया है। वहीं,



लेकर बुनियादी ढांचे में मानकों की अनदेखी की जा रही है, जिससे भविष्य में भवन के टिकाऊपन और सुरक्षा को लेकर गंभीर खतरा पैदा हो गया है।

ग्रामीणों ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि जनता की गाढ़ी कमाई और सरकारी राशि का इस तरह दुरुपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ग्रामीणों ने उप विकास आयुक्त से मांग की है कि एक विशेष जांच टीम गठित कर मौके पर निर्माण सामग्री के सैंपल की गुणवत्ता जांची जाए। साथ ही संबंधित एजेंसी को तय समय-सीमा के भीतर प्राक्कलित मानकों के अनुसार काम पूरा करने का कड़ा निर्देश दिया जाए। बहरहाल, ग्रामीणों की इस शिकायत के बाद अब

देखना होगा कि जिला प्रशासन इस पर क्या

कदम उठाता है। इस पूरे मामले पर संबंधित

निर्माण एजेंसी और विभागीय अधिकृतओं का

आधिकारिक पक्ष आना अभी बाकी है। पंचायत

के मुखिया जय करण पासवान का कहना है कि

पंचायत चुनाव नजदीक आ रहे हैं, लेकिन हमारी

पंचायत का यह महत्वपूर्ण सरकारी भवन वर्षों से

अधूरा लटका हुआ है। ग्रामीणों में इसे लेकर

भारी नाराजगी है। भवन का मुख्य उद्देश्य स्थानीय

स्तर पर लोगों को एक ही छत के नीचे सारी

सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराना है, लेकिन यहां

काम की गति बहुत धीमी है और गुणवत्ता के

साथ ही समझौता किया जा रहा है। हमने

प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की है ताकि

जनता के पैसे का सही इस्तेमाल हो और पंचायत

को जल्द से जल्द एक मजबूत भवन मिल सके।

किशनगंज के तत्कालीन अंचल

अधिकारी निश्चल प्रेम पर बिना

कार्यदेश अग्रिम भुगतान करने

और वित्तीय अनियमितता के

आरोप में अनुशासनात्मक कार्रवाई

शुरू करने का निर्देश दिया गया

है। रोहतास जिले के अकोढीगोला

के तत्कालीन अंचल अधिकारी

जितेंद्र कुमार सिंह पर दाखिल-

खारिज मामलों के निष्पादन में

अनियमितता के आरोप में तीन

वेतनवृद्धियों पर संचयी प्रभाव से

रोक लगाने का आदेश दिया गया

है। कटिहार जिले के बरारी के

तत्कालीन अंचल अधिकारी ललन

कुमार मंडल और मनसाही के

तत्कालीन अंचल अधिकारी महेश

प्रसाद सिंह के विरुद्ध अलग-

अलग मामलों में आरोप पत्र गठित

किया गया है। वहीं, गोगरी के

तत्कालीन अंचल अधिकारी राज

नारायण राजा की दो वेतनवृद्धियों

पर संचयी प्रभाव से रोक लगाने

का आदेश जारी हुआ है।

विभागीय कार्रवाई का उद्देश्य

राजस्व कार्यों में पारदर्शिता,

समयबद्ध निष्पादन और

जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

विभाग ने दाखिल-खारिज,

जमाबंदी, प्रमाण-पत्र निर्गमन और

सरकारी निर्देशों के अनुपालन में

लापरवाही बरतने वाले

अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई

का संदेश दिया है।

एक नजर

चोट के बावजूद आखिरी दांव तक डटी रहीं हाथरस की रिचा शर्मा, गोरखपुर में हुई सीनियर स्टेट चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक



हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के गांव कपूरा की रहने वाली महिला पहलवान रिचा शर्मा ने गोरखपुर में आयोजित सीनियर स्टेट रेसलिंग चैंपियनशिप-2026 में कांस्य पदक जीतकर हाथरस और उत्तर प्रदेश पुलिस का नाम रोशन किया है। घुटने में चोट के बावजूद मुकाबले में डटी रहीं रिचा ने अपने जज्बे, मेहनत और खेल कौशल से यह उपलब्धि हासिल की। उनकी सफलता से गांव कपूरा में खुशी का माहौल है और क्षेत्र के लोग उनकी उपलब्धि पर गर्व महसूस कर रहे हैं। रिचा शर्मा के पिता विनोद शर्मा ने बताया कि गोरखपुर में आयोजित इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पहलवानों ने हिस्सा लिया। उत्तर प्रदेश पुलिस में तैनात रिचा शर्मा ने महिला कुश्ती वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता के दौरान घुटने में चोट लगने के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। सपोर्ट बंधकर मुकाबले में उतरने वाली रिचा आखिरी दांव तक संघर्ष करती रहीं। उनका यह प्रदर्शन खेल के प्रति समर्पण, अनुशासन और मजबूत इच्छाशक्ति का उदाहरण है। रिचा शर्मा के पिता विनोद शर्मा किसान हैं। ग्रामीण परिवेश में पली-बढ़ी रिचा ने अपनी मेहनत और लगन के दम पर कुश्ती के क्षेत्र में पहचान बनाई। उनके संघर्ष और सफलता में परिवार का सहयोग भी महत्वपूर्ण रहा है। सीमित संसाधनों के बीच खेल के प्रति जुनून बनाए रखते हुए उन्होंने पुलिस सेवा में अपनी जिम्मेदारियों के साथ कुश्ती में भी उपलब्धि हासिल की। रिचा की इस सफलता को क्षेत्र की बेटियों के लिए प्रेरणादायक माना जा रहा है। उनकी उपलब्धि संदेश देती है कि दृढ़ संकल्प, निरंतर अभ्यास और कठिन परिस्थितियों का सामना करने का साहस ही तो लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। चोट के बावजूद मुकाबले में डटे रहकर कांस्य पदक जीतने वाली रिचा शर्मा ने न केवल अपने परिवार, बल्कि गांव कपूरा और पूरे हाथरस जिले का गौरव बढ़ाया है।

चुटहिल मनप्रीत सिंह एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर, विवेक सागर को मिली जगह



जालंधर। भारतीय पुरुष हॉकी टीम को हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी पंजाब-2026 से पहले झटका लगा है। पिंडली की मांसपेशियों में चोट के कारण पूर्व कप्तान और अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह मिडफील्डर विवेक सागर प्रसाद को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने रविवार को जालंधर में छहों टीमों के कप्तानों की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इसकी जानकारी दी। भारत 27 अक्टूबर को बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले से अपने अभियान की शुरुआत करेगा। गत चैंपियन भारतीय टीम की नजरें छठी बार खिताब जीतने पर हैं। ऐसा करने पर भारत लगातार तीसरी बार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम करेगा। हरमनप्रीत ने कहा कि हर टीम यहां मुकाबला करने और टूर्नामेंट जीतने आई है। सभी टीमें मजबूत हैं और हम किसी भी प्रतिद्वंद्वी को हल्के में नहीं लेना चाहते। हर टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने आई है। उन्होंने कहा कि हमने काफी अनुभव हासिल किया है और एक टीम के रूप में परिपक्व हुए हैं। हम हर मुकाबले में एक जैसी मानसिकता के साथ उतरेंगे और प्रत्येक प्रतिद्वंद्वी को पूरा सम्मान देंगे।

भारतीय टीम क्रेग फुल्टन के मार्गदर्शन में टूर्नामेंट में उतरेगी। टीम ने हाल ही में जापान में एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक सफलतापूर्वक बचाया था। कप्तान हरमनप्रीत सिंह की अगुआई में टीम उसी प्रदर्शन को जारी रखते हुए घरेलू सत्र का समापन खिताबी जीत के साथ करना चाहेगी। भारत अब तक 2011, 2016, 2018, 2023 और 2024 में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीत चुका है। वर्ष 2018 में भारत और पाकिस्तान संयुक्त विजेता रहे थे। भारत ने पिछला खिताब चीन के हुलुनबुइर में जीता था, जहां फाइनल में जुगराज सिंह के निर्णायक गोल की मदद से उसने मेजबान चीन को 1-0 से हराया था। भारत को खिताब बचाने की राह में मलेशिया, दक्षिण कोरिया, जापान और चीन जैसी मजबूत टीमों से चुनौती मिलेगी। मलेशिया ने एशियाई खेलों में भारत के बाद रजत पदक जीता था। भारत और मलेशिया का लीग मुकाबला एक नवंबर को खेला जाएगा। दक्षिण कोरिया की टीम भी एशियाई हॉकी की मजबूत दावेदारों में शामिल है। जापान की टीम एशियाई खेलों में पांचवें स्थान पर रही थी, जबकि बांग्लादेश भारत के खिलाफ मुकाबले से अपने अभियान की शुरुआत करेगा। चीन भी घरेलू मैदान पर पिछली हार का हिसाब चुकता करने की कोशिश करेगा। टूर्नामेंट का यह नौवां संस्करण है। इसमें छह टीमें एक-दूसरे के खिलाफ एक-एक लीग मुकाबला खेलेंगी। लीग चरण के बाद शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। टूर्नामेंट के सभी लीग मुकाबले 27 अक्टूबर से दो नवंबर तक जालंधर के ओलंपियन सुर्जोत सिंह हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसके बाद प्रतियोगिता मोहाली के ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में पहुंचेगी। यहां चार नवंबर को दोनों सेमीफाइनल होंगे, जबकि पांच नवंबर को कांस्य पदक और खिताबी मुकाबला खेला जाएगा।

देवदत्त पडिक्कल की 199 रन की पारी से भारत ए की दमदार वापसी

लंकन,एजेंसी। देवदत्त पडिक्कल के शानदार 199 रन की बदौलत भारत ए ने न्यूजीलैंड ए के खिलाफ पहले अनीपचारिक टेस्ट के तीसरे दिन मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। पडिक्कल दोहरे शतक से केवल एक रन दूर रह गए। उनके शानदार प्रदर्शन की मदद से भारत ए ने दूसरी पारी में आठ विकेट पर 488 रन बना लिए हैं और उसकी कुल बढ़त 284 रन हो गई है। दिन का खेल समाप्त होने तक वॉशिंगटन सुंदर 51 रन बनाकर नाबाद थे। भारत ए ने पहली पारी में 113 रन बनाए थे, जिसके जवाब में न्यूजीलैंड ए ने 317 रन बनाकर 204 रन की बढ़त हासिल की थी। अब भारत ए ने दूसरी पारी में दमदार वापसी करते हुए मेजबान टीम के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखने की स्थिति बना ली है।

तीसरे दिन पडिक्कल 56 और साई सुदर्शन 39 रन से आगे खेलने उतरे। दोनों ने संभलकर बल्लेबाजी करने के साथ तेजी से रन भी बनाए। सुदर्शन ने अपना अर्धशतक पूरा किया, जबकि पडिक्कल ने आक्रामक अंदाज में रन जुटाए। उन्होंने जेडन लेनॉक्स की गेंद पर छक्का लगाकर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपना 12वां शतक पूरा किया। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 200 से अधिक रन की साझेदारी कर भारत ए को पहली पारी की बढ़त से उबारा और मैच में मजबूत स्थिति में पहुंचाया। हालांकि, न्यूजीलैंड ए ने शॉर्ट गेंदों का इस्तेमाल कर वापसी की कोशिश की। सुदर्शन 91 रन बनाकर स्व्वायर लेग के पीछे तैनात क्षेत्ररक्षक को कैच दे डेते। लंच के बाद कप्तान ध्रुव जुरेल भी दो रन बनाकर आउट हो गए।

किमी एंटोनेली ने जीती अमेरिकी ग्रां प्री, विश्व चैंपियनशिप खिताब से बस दो अंक दूर

ऑस्टिन। मर्सिडीज के युवा इतालवी ड्राइवर किमी एंटोनेली ने रविवार को अमेरिकी ग्रां प्री जीतकर फॉर्मूला वन विश्व चैंपियनशिप का खिताब जीतने की ओर मजबूत कदम बढ़ाया। 20 वर्षीय एंटोनेली अगले सप्ताह मेक्सिको में खिताब अपने नाम कर सकते हैं। वह फॉर्मूला वन के इतिहास में सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बनने की दहलीज पर हैं। अमेरिका के ऑस्टिन स्थित सर्किट ऑफ द अमेरिकाज में एंटोनेली ने पोल पोजिशन से शुरुआत की और एक बार पिट स्टॉप की रणनीति के साथ शानदार जीत दर्ज की। यह इस सत्र में उनकी नौवां जीत रही। उन्होंने फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर को 13.078 सेकंड से पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया, जबकि रेड बुल के मैक्स वेरस्टेपेन तीसरे स्थान पर रहे। अमेरिकी ग्रां प्री के बाद एंटोनेली के कुल अंक अपने मर्सिडीज साथी जॉर्ज रसेल से 123 और फेरारी के लुईस हैमिल्टन से 124 अधिक हो गए हैं। अब सत्र में अधिकतम 125 अंक ही उपलब्ध हैं। मेक्सिको ग्रां प्री के बाद यह संख्या घटकर 100 रह जाएगी। एंटोनेली को मेक्सिको सिटी में नौवां स्थान हासिल करने पर दो अंक मिलेंगे, जो उन्हें खिताब पक्का करने के लिए पर्याप्त होंगे। इस तरह वह अगले सप्ताह ही विश्व चैंपियन बन सकते हैं। जीत के बाद एंटोनेली ने

कहा कि यह टीम के लिए जरूरी नतीजा था और पूरी टीम इसकी हकदार है। उन्होंने कहा कि वे खिताब के बेहद करीब हैं और जल्द ही इसे पक्का करने की उम्मीद करते हैं। रेस की शुरुआत में एंटोनेली ने शानदार गति दिखाई और पहले लैप के अंत तक दूसरे स्थान पर चल रहे ड्राइवरों से 2.3 सेकंड की बढ़त बना ली। पीछे दूसरे स्थान के लिए लेक्लेर, हैमिल्टन और वेरस्टेपेन के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। दूसरे लैप में ट्रैक से मलबा हटाने के लिए कुछ समय के लिए वरचुअल सेप्टी कार लागू की गई। वहीं, मर्सिडीज के जॉर्ज रसेल को पहले लैप में मैकलारेन के ऑस्कर पियास्त्री से आगे निकलने के दौरान अनुचित लाभ लेने के लिए पांच सेकंड की पेनल्टी मिली। हास के ड्राइवर ओली बेयरमैन को अल्पाइन के पियरे गैस्ली से टक्कर के लिए 10 सेकंड की पेनल्टी दी गई। वह रेस के मध्य तक बाहर हो गए। मैकलारेन के मौजूदा विश्व चैंपियन लैंडो नॉरिस पांचवें स्थान पर रहे। रेड बुल के इसाक हदजार ने छठा स्थान हासिल किया, जबकि मैकलारेन के ऑस्कर पियास्त्री सातवें स्थान पर रहे। रसेल आठवें, रेंसिंग बुक्स के लियाम लॉसन नौवें और अल्पाइन के पियरे गैस्ली दसवें स्थान पर रहे।



इसके बावजूद पडिक्कल ने एक छोर संभाले रखा और यश राठौड़ के साथ तेजी से रन बनाए। पडिक्कल ने आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखते हुए 150 रन का आंकड़ा पार किया। दूसरी ओर, राठौड़ ने क्रिस्टियन क्लार्क के एक ओवर में दो चौके और एक छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 54 गेंदों में 50 रन बनाए। हालांकि, पडिक्कल की पारी का अंत विवादस्पद तरीके से हुआ। वह 199 रन के निजी स्कोर पर लेग साइड में विकेट के पीछे कैच आउट दिए गए। उन्होंने अंपायर की ओर इशारा करते हुए गेंद और बल्ले के बीच अंतर होने की बात जताई। इस फैसले के साथ ही उनका दोहरा शतक पूरा करने का सपना टूट गया। पडिक्कल ने अपनी पारी से

41वीं राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मप्र की दीपिका ने जीता स्वर्ण, प्रशांत ने दिलाया रजत पदक

भोपाल। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 23 से 27 अक्टूबर 2026 तक आयोजित 41वां राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मध्य प्रदेश एथलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण और रजत पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता के तीसरे दिन रविवार को बालक अंडर-20 वर्ग की 5000 मीटर रेस वॉक में प्रशांत कुमार ने रजत पदक जीता, जबकि बालिका अंडर-20 वर्ग की 3000 मीटर दौड़ में दीपिका शर्मा ने स्वर्ण पदक हासिल किया।

3000 मीटर दौड़ में दीपिका शर्मा ने जीता स्वर्ण पदक

प्रतियोगिता के तीसरे दिन रविवार शाम के सत्र में आयोजित बालिका अंडर-20 वर्ग की 3000 मीटर दौड़ में मध्य प्रदेश एथलेटिक्स अकादमी की खिलाड़ी दीपिका शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 9 मिनट 52.58 सेकंड का समय निकालकर यह उपलब्धि हासिल की।

5000 मीटर रेस वॉक में प्रशांत कुमार ने हासिल किया रजत पदक

इससे पहले रविवार की प्रतियोगिता में आयोजित बालक अंडर-20 वर्ग की 5000 मीटर रेस वॉक स्पर्धा में मध्यप्रदेश एथलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ी प्रशांत कुमार ने रजत पदक अपने नाम किया। उन्होंने 19 मिनट 55.56 सेकंड का समय दर्ज करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया।

खेल मंत्री कैलाश सारंग ने दी बधाई

प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री



विश्वास कैलाश सारंग ने राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि प्रदेश के युवा खिलाड़ी अपनी प्रतिभा, मेहनत और निरंतर अभ्यास के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर

उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मध्य प्रदेश के खिलाड़ी आगामी प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का गौरव बढ़ाएंगे। खिलाड़ियों की सफलता अन्य युवाओं को खेलों से जुड़ने और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी।

अबू धाबी टी10 के प्रसारण अधिकार जियोस्टार को, भारत में स्टार स्पोर्ट्स और जियोहॉटस्टार पर दिखेंगे सभी 32 मुकाबले

अबू धाबी, एजेंसी। अबू धाबी टी10 लीग ने भारतीय उपमहाद्वीप में अपनी पहुंच बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने 2026 सत्र के प्रसारण अधिकार जियोस्टार को सौंप दिए हैं। इसके तहत टूर्नामेंट के सभी 32 मुकाबलों का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स के टेलीविजन नेटवर्क पर होगा, जबकि डिजिटल माध्यम पर मुकाबले जियोहॉटस्टार पर देखे जा सकेंगे। आयोजकों के अनुसार, इस साझेदारी का उद्देश्य दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट बाजार भारत में टूर्नामेंट की पहुंच बढ़ाना और अधिक से अधिक प्रशंसकों को क्रिकेट के सबसे तेज प्रारूप से जोड़ना है। जियोस्टार के साथ यह करार अबू धाबी टी10 की वैश्विक विस्तार रणनीति का अहम हिस्सा है।

बू धाबी टी10 का 2026 संस्करण 7 से 20 नवंबर तक अबू धाबी के जायेंट्स क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होगा। टूर्नामेंट में कुल 32 मुकाबले खेले जाएंगे। इसमें छह दिन तीन-तीन मुकाबले और सात दिन दो-दो मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। टूर्नामेंट का आधिकारिक खिलाड़ी चयन कार्यक्रम 30 सितंबर को अबू धाबी में आयोजित किया गया था, जिसमें क्रिकेट के कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के शामिल होने की तैयारी है। अबू धाबी क्रिकेट एंड स्पोर्ट्स हब और अबू धाबी टी10 के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मैट ब्रूश ने कहा कि भारत टूर्नामेंट का सबसे बड़ा और उत्साही बाजार रहा है। जियोस्टार के साथ साझेदारी से भारतीय उपमहाद्वीप में



अधिक दर्शकों तक पहुंचने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट की दीर्घकालिक विकास रणनीति में प्रसारण नेटवर्क का विस्तार महत्वपूर्ण है। आयोजकों का लक्ष्य अबू धाबी टी10 को वैश्विक स्तर पर प्रमुख खेल और मनोरंजन आयोजन के रूप में स्थापित करना है। जियोस्टार में खेल अधिकार एवं नवाचार विभाग के प्रमुख प्रशांत खन्ना ने कहा कि टी10 प्रारूप को भारत में अपनी तेज गति के कारण दर्शकों का समर्थन मिला है। जियोस्टार की व्यापक पहुंच से अबू धाबी टी10 को देशभर में नए प्रशंसकों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। सीधे प्रसारण के अलावा जियोस्टार टूर्नामेंट के दौरान दर्शकों की भागीदारी बढ़ाने के लिए विशेष सामग्री, खिलाड़ियों के पर्दे के पीछे की गतिविधियों और डिजिटल सुविधाओं जैसी पहल भी करेगा। इन प्रयासों का

उद्देश्य प्रशंसकों को मुकाबलों और खिलाड़ियों के करीब लाना है। आयोजकों के मुताबिक, 2025 संस्करण ने सोशल मीडिया पर 52.7 करोड़ से अधिक बार देखे जाने या प्रदर्शित होने के आंकड़े दर्ज किए थे और प्रसारण मूल्य 51.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर रहा था। नए प्रसारण करार से 2026 संस्करण में दर्शकों की संख्या और सहभागिता बढ़ने की उम्मीद है। अबू धाबी क्रिकेट एंड स्पोर्ट्स हब को इस वर्ष टूर्नामेंट का बहुलांश स्वामित्व और वाणिज्यिक अधिकार मिलने के बाद आयोजन की वैश्विक विस्तार योजना की भी गति मिली है। आयोजकों का कहना है कि मजबूत संस्थागत समर्थन, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की भागीदारी और व्यापक प्रसारण व्यवस्था के जरिए अबू धाबी टी10 को दुनिया के प्रमुख क्रिकेट आयोजनों में स्थापित करने का प्रयास जारी है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 से भी बाहर हुए ईशान किशन, मैच फिटनेस हासिल करने में लगेगा समय

वेलिंगटन। भारतीय क्रिकेट की बल्लेबाज ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ 27 अक्टूबर को वेलिंगटन में खेले जाने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से भी बाहर हो गए हैं। दाएं पैर की मांसपेशियों में खिंचाव से उबर रहे ईशान ने अभी मैच खेलने की फिटनेस हासिल नहीं की है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। बोर्ड के अनुसार, ईशान की चोट में सुधार हो रहा है, लेकिन उनकी स्थिति पर मेडिकल टीम लगातार नजर रख रही है। विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार कुशाग्र तीसरे टी20 मुकाबले के लिए भारतीय टीम के साथ बने रहेंगे। बीसीसीआई ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में कहा, ‘ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला के पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के दौरान दाएं पैर की मांसपेशियों में हुए हल्के खिंचाव से अच्छी तरह उबर रहे हैं। हालांकि, वह अभी मैच खेलने की फिटनेस हासिल नहीं कर पाए हैं और 27 अक्टूबर, 2026 को वेलिंगटन में खेले जाने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ईशान की रिकवरी पर नजर रख रही है। कुमार कुशाग्र तीसरे टी20

अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के लिए टीम के साथ बने रहेंगे। ईशान किशन को न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला के पहले टी20 मुकाबले के दौरान चोट लगी थी। इसके बाद भारतीय टीम को अपने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करना पड़ा था। ईशान आमतौर पर तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं, लेकिन उनकी चोट के कारण तिलक वर्मा को तीसरे नंबर पर उतारा गया था। ईशान ने पहले मुकाबले में पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी की थी। हालांकि, वह तीन गेंदों पर केवल एक रन बनाकर मिशेल सैंटनर की गेंद पर लेग साइड की बाउंड्री के पास कैच आउट हो गए थे। ईशान की अनुपस्थिति के बाद अब उनके तीसरे टी20 में भी खेलने की संभावना है। हालांकि, अंतिम एकादश की आधिकारिक पुष्टि मैच के दिन ही होगी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा टी20 मुकाबला 27 अक्टूबर को वेलिंगटन में खेला जाएगा।

एक नजर

ईरानी राष्ट्रपति की क्षेत्रीय एकता की अपील, इस्लामी देशों से समन्वित रुख अपनाने को कहा



तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने पश्चिम एशिया में क्षेत्रीय एकता और सहयोग मजबूत करने की अपील की है। तेहरान में सऊदी अरब, तुर्किये और पाकिस्तान के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि प्रभावशाली इस्लामी देशों को आपसी एकजुटता बढ़ाने और साझा मुद्दों पर समन्वित रुख अपनाने की जरूरत है। राष्ट्रपति की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी बयान के मुताबिक, पेजेशकियान ने उम्मीद जताई कि महत्वपूर्ण इस्लामी देशों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी क्षेत्रीय एकता और आपसी सहयोग को और मजबूत करने में मददगार साबित होगी। उन्होंने इस्लामी देशों से एक साथ खड़े होने और साझा मुद्दों पर समन्वित रुख अपनाने का आह्वान किया। यह बैठक ऐसे समय हुई है, जब सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये सहित क्षेत्र के देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को लेकर चर्चाएं जारी हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इन देशों ने हाल में मक्का रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि, बैठक में इस समझौते के तहत किसी विशिष्ट पहल या निर्णय की घोषणा का उल्लेख नहीं किया गया। पेजेशकियान की अपील क्षेत्रीय देशों के बीच संवाद और सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित रही। तेहरान की ओर से जारी बयान में इस बात पर जोर दिया गया कि इस्लामी देशों के बीच बेहतर समन्वय क्षेत्रीय एकजुटता को मजबूत कर सकता है।

इटली में दोहरे हत्याकांड का मामला, अमेरिकी आरोपित को उम्रकैद देने की अपील

रोम। इटली की राजधानी रोम में अपनी साथी और 13 महीने की बेटी की हत्या के आरोपित अमेरिकी नागरिक फ्रांसिस कॉफमैन को अभियोजन पक्ष ने उम्रकैद की सजा देने की मांग की है। अभियोजक एंटोनियो वर्दी ने सोमवार को अदालत से आरोपी को आजीवन कारावास के साथ दिन के समय तीन साल तक एकांत कारावास की सजा देने का अनुरोध किया। मां और बच्ची के शव पिछले साल रोम के विला पाम्फिली पार्क में मिले थे। इस दोहरे हत्याकांड के सिलसिले में कॉफमैन



को 13 जून 2025 को यूनायन के स्क्रियाथोस द्वीप से गिरफ्तार किया गया था। शव मिलने के करीब एक सप्ताह बाद हुई गिरफ्तारी में प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और निगरानी कैमरों के फुटेज सहित कई साक्ष्यों की भूमिका बताई गई थी। कॉफमैन पर दोहरी हत्या का मुकदमा चल रहा है। वह रेक्सल फोर्ड नाम का इस्तेमाल भी करता रहा है। अभियोजन पक्ष ने अदालत में उसे चालाकी से पेश आने वाला और आत्मसुगंध व्यक्ति बताया। हालांकि, अभियोजक ने यह स्पष्ट नहीं किया कि जांचकर्ताओं के अनुसार हत्या के पीछे संभावित मकसद क्या था। रोम की जेल में बंद कॉफमैन ने सुनवाई के दौरान खुद को निर्दोष बताया है। उसके वकील ने मामले पर टिप्पणी के लिए किए गए अनुरोध का तत्काल जवाब नहीं दिया। मामले में निचली अदालत का फैसला 05 नवंबर को आने की उम्मीद है।

नेपाल को मिलने वाली विदेशी आर्थिक सहायता में साढ़े तीन गुना गिरावट आई

काठमांडू। नेपाल को मिलने वाली विदेशी सहायता की प्रतिबद्धता में साढ़े तीन गुना की गिरावट आई है। चालू वित्त वर्ष के लिए नेपाल सरकार ने 61 अरब 74 करोड़ 54 लाख रुपये विदेशी अनुदान और 248 अरब 28 करोड़ रुपये विदेशी ऋण जुटाने का लक्ष्य रखा है। वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2026/27 के सितंबर महीने में विदेशी सहायता की प्रतिबद्धता 2 अरब 20 करोड़ 38 लाख नेपाली रुपये रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की इसी अवधि में यह राशि 8 अरब 6 करोड़ रुपये थी। इस अवधि में प्राप्त सहायता की पूरी प्रतिबद्धता अनुदान के रूप में थी। चालू वित्त वर्ष के सितंबर महीने में प्राप्त विदेशी सहायता प्रतिबद्धता में सबसे अधिक 70 प्रतिशत हिस्सा कृषि क्षेत्र का रहा। शिक्षा क्षेत्र की हिस्सेदारी 17.4 प्रतिशत और अन्य क्षेत्रों की हिस्सेदारी 12.7 प्रतिशत रही। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में ऊर्जा क्षेत्र को सबसे अधिक 84.4 प्रतिशत विदेशी सहायता प्रतिबद्धता प्राप्त हुई थी। चालू वित्त वर्ष के सितंबर महीने में नेपाल सरकार को 24 करोड़ 3 लाख रुपये का विदेशी अनुदान प्राप्त हुआ। इसके अलावा, 3 अरब 29 करोड़ 80 लाख रुपये का विदेशी ऋण मिला। इस तरह कुल 3 अरब 53 करोड़ 83 लाख रुपये की विदेशी सहायता नकद के रूप में प्राप्त हुई। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में नेपाल को 42 करोड़ 19 लाख रुपये का विदेशी अनुदान और 4 अरब 57 करोड़ 48 लाख रुपये का विदेशी ऋण प्राप्त हुआ था।

बांग्लादेश में खसरे से छह और बच्चों की मौत, इस साल 1,233 लोगों ने गंवाई जान

ढाका,एजेंसी। बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप गंभीर होता जा रहा है। सोमवार सुबह तक पिछले 24 घंटे में छह और बच्चों की मौत के बाद इस साल बीमारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,233 हो गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों के आंकड़ों के अनुसार, मृतकों में 104 की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 1,129 मौतें संदिग्ध श्रेणी में दर्ज हैं। बांग्लादेश के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में खसरे के 1,388 नए संदिग्ध मामले सामने आए। इसके साथ ही संदिग्ध मामलों की कुल संख्या बढ़कर 2,22,552 हो गई है। इसी अवधि में 78 नए मामलों की पुष्टि हुई, जिससे पुष्ट संक्रमितों की संख्या 23,478 पहुंच गई।

खसरे के बढ़ते प्रकोप के बीच देश की टीकाकरण व्यवस्था और स्वास्थ्य प्रबंधन को लेकर सवाल उठ रहे हैं। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस महीने की शुरुआत में एक साक्षात्कार में प्रकोप के लिए सरकारी लापरवाही और दशकों पुरानी टीकाकरण व्यवस्था के कमजोर पड़ने को जिम्मेदार ठहराया था। हसीना ने दावा किया कि मार्च 2026 में खसरा-रूबेला टीके का भंडार समाप्त हो गया था और इसके बाद टीकाकरण कवरेज में गिरावट आई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि निर्धारित समय पर अतिरिक्त टीकाकरण अभियान शुरू नहीं किया गया। हसीना ने कहा कि टीके से रोकी जा सकने वाली बीमारी से एक हजार से अधिक बच्चों की मौत को सामान्य प्रशासनिक विफलता नहीं माना जा सकता। उन्होंने टीकों



की निर्बाध आपूर्ति, संवेदनशील समुदायों में विशेष टीकाकरण अभियान, बीमारी की वास्तविक समय में निगरानी, बच्चों के उपचार की सुविधाएं बढ़ाने और कथित अनियमितताओं की स्वतंत्र जांच की मांग की। बांग्लादेश ने अप्रैल में यूनिसेफ के माध्यम से टीकों की खरीद फिर शुरू की थी। इसके बाद आपात टीकाकरण अभियान भी चलाया गया। हालांकि, स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि संक्रमण की

तेज रफ्तार के कारण प्रकोप पर काबू पाने में समय लग सकता है। डीजीएचएस के रोग नियंत्रण विभाग के पूर्व निदेशक बेनजीर अहमद के अनुसार, संक्रमण की गति को देखते हुए स्थिति जल्द सामान्य होना मुश्किल है। वहीं, सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ मुशुक हुसैन ने कहा कि टीकाकरण के बाद बच्चों में पर्याप्त प्रतिक्रिया विकसित होने में आम तौर पर तीन से चार सप्ताह लगते हैं।

नेपाल में आज से होमा कार्तिक स्नान, दीपदान और विशेष तुलसी पूजा भी शुरू



काठमांडू। नेपाल में आज से कार्तिक स्नान, दीपदान और विशेष तुलसी पूजा की शुरुआत हो रही है। हर साल आश्विन शुक्ल पूर्णिमा से शुरू होने वाली यह परंपरा कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा तक चलती है।

मान्यता है कि इस अवधि में पूजा-पाठ, पवित्र स्नान, दीप प्रज्वलन और दान करने से आध्यात्मिक पुण्य की प्राप्ति होती है तथा जीवन से नकारात्मकता दूर होती है। पूर्णिमा को दिव्य प्रकाश, पवित्रता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इसी कारण कार्तिक मास में धार्मिक अनुष्ठानों का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आश्विन शुक्ल पूर्णिमा से कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा तक तुलसी की विशेष पूजा, कार्तिक स्नान और आकाशदीप जलाने से सौभाग्य, समृद्धि और मान-सम्मान की प्राप्ति

होती है। भगवान विष्णु को समर्पित इस परंपरा में दीप प्रज्वलित किए जाते हैं। मान्यता है कि इस अवधि में विशेष रूप से घरों में तुलसी पूजा करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

नेपाल पंचांग निर्णायक विकास समिति के अध्यक्ष एवं धर्मशास्त्र के विद्वान प्रो. डॉ. रामचंद्र गौतम ने बताया कि आश्विन शुक्ल पूर्णिमा से कार्तिक स्नान शुरू करने की परंपरा है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दौरान स्नान करने से मन के बुरे विचारों को दूर करने में मदद मिलती है। इसी अवसर पर आज स्वयम्भू चैत्य में महादीप दान भी किया जा रहा है। कार्तिक स्नान के अवसर पर देशभर की सभी पवित्र नदियों में सुबह से ही लोगों की भीड़ देखी गई। लोग अपने परिवारों के साथ नदी किनारे पहुंच कर स्नान कर दीपदान कर रहे हैं।

एनपीएल की सुरक्षा के लिए पुलिस की सट्टेबाजी और मैच फिक्सिंग पर रहेगी पैनी नजर

काठमांडू,एजेंसी। आज से शुरू हुए नेपाल प्रीमियर लीग (एनपीएल) की सुरक्षित और मर्यादित बनाने के लिए नेपाल पुलिस ने विशेष सुरक्षा योजना तैयार की है। मैचों के दौरान सट्टेबाजी से लेकर मैच फिक्सिंग तक की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए पुलिस की विशेष टीमें तैनात की गई हैं। जिला पुलिस के एसपी जल बहादुर थापा ने बताया कि आयोजक नेपाल क्रिकेट संघ (कैन) के साथ नियमित चर्चा कर प्रभावी सुरक्षा योजना बनाई गई है। उन्होंने कहा कि खेल के दौरान किसी भी अवांछित गतिविधि को रोकने के लिए साढ़े कपड़ों में भी पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। ऑनलाइन सट्टेबाजी से लेकर मैच फिक्सिंग तक की गतिविधियों की निगरानी के लिए पुलिस की विशेष टीमें बनाई गई हैं। संभावित मैच फिक्सिंग पर नजर रखने के लिए पुलिस मुख्यालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीआईबी) के कुछ पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया गया है।

पिछले सीजन में पुलिस ने क्रिकेट स्टेडियम में बैठकर सट्टेबाजी संचालित करने वाले भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया था। इस बार भी ऐसे गिराह सक्रिय हो सकते हैं। इसे देखते हुए डिजिटल निगरानी के साथ-साथ सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों को तैनात कर नियमित निगरानी की जाएगी। एनपीएल देश की प्रतिष्ठा से भी जुड़ा होने के कारण सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरतने के लिए बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों



को तैनात करने की तैयारी है। इस बार पिछले वर्षों की तुलना में अधिक विदेशी खिलाड़ी प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं।

विदेशी खिलाड़ियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भी विशेष इंतजाम किए गए हैं। उद्घाटन मैच के दौरान 1,125 पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। इसके अलावा त्रिभुवन विश्वविद्यालय क्रिकेट मैदान की बाहरी परिधि में सशस्त्र पुलिस बल को भी तैनात करने का निर्णय लिया गया है। खिलाड़ियों के ठहरने वाले होटलों में भी सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। एसपी थापा ने बताया कि स्टेडियम में प्रतिदिन प्रशिक्षित कुर्बों की मदद से सुरक्षा जांच की जाएगी। इसके साथ ही ड्रोन का भी इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एनपीएल में खुफिया सूचनाओं पर आधारित पुलिसिंग की जाएगी। सादे कपड़ों में तैनात पुलिसकर्मियों के माध्यम से सूचनाएं जुटाने

के साथ-साथ तकनीक का अधिकतम उपयोग किया जाएगा। एनपीएल की सुरक्षा को लेकर शनिवार को जिला पुलिस कार्यालय, सुरक्षा अधिकारियों और कैन के पदाधिकारियों के बीच बैठक हुई थी। रविवार शाम को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने स्टेडियम क्षेत्र का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। इसके अलावा टिकट नहीं मिलने के कारण स्टेडियम के बाहर दर्शकों द्वारा नारेबाजी किए जाने की घटनाएं भी सामने आई थीं। पुलिस ने टिकट वितरण के संबंध में दर्शकों को समय पर और पारदर्शी तरीके से जानकारी देने का आग्रह किया है। पुलिस के अनुसार सोशल मीडिया पर भी निगरानी रखी जाएगी। एसपी थापा ने बताया कि ऑनलाइन सट्टेबाजी और सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने वाली गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए सोशल मीडिया की निगरानी की जाएगी।

यमन ने ताइज को लेकर पोप लियो की अपील का स्वागत किया

वेटिकन सिटी/ सना (यमन)। यमन ने ताइज में बिगड़ती मानवीय स्थिति पर पोप लियो (चतुर्दशी) की अपील का स्वागत किया है। साथ ही यमन ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया है कि वे हूती पर दबाव डालने के लिए ठोस कदम उठाएं। ताकि हूती लड़ाके बेरबंदी खत्म करें। नागरिकों पर हमले रोकें और मानवीय सहायता की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करें।

यमन के विदेश और प्रवासी मामलों के मंत्रालय ने सोमवार को एक्स पोस्ट में यमन के लोगों की पीड़ा पर पोप की चिंता और उनके उस आह्वान की सराहना की, जिसमें

उन्होंने शत्रुता खत्म करने और यमन तथा पूरे क्षेत्र के लोगों के शांति से रहने की बात कही है। पोस्ट में कहा गया, 'यमन ताइज को लेकर पोप की अपील का स्वागत करता है और बेरबंदी खत्म करने तथा नागरिकों की सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई की मांग करता है। वेटिकन न्यूज के अनुसार, पोप लियो ने रविवार को 'एंजेलस' प्रार्थना के बाद अपने वैश्विक संबोधन में यमन में जारी संघर्ष को समाप्त करने की अपील की। उन्होंने जॉर्डन में चर्च जाने वालों पर हुए आतंकवादी हमले के पीड़ितों के लिए प्रार्थना की। यमन में गंभीर मानवीय संकट पर चिंता जताते हुए पोप लियो ने

विशेष रूप से ताइज शहर की ओर ध्यान दिलाया— 'जहां के लोग भोजन, पानी और चिकित्सा सुविधाओं की भारी कमी से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं दिल से अपील करता हूं कि लड़ाई-झगड़े बंद हों और यमन के लोगों तथा इस क्षेत्र के सभी निवासियों को शांतिपूर्ण जीवन जीने की गारंटी मिले।' गौरतलब है कि ताइज में लड़ाई और रास्ते बंद होने की वजह से जरूरी सामान की आपूर्ति रुक गई है, जिससे आम लोगों को पानी, भोजन और ईंधन की बढ़ती किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने तत्काल मानवीय सहायता पहुंचाने की अपील की है।

साथ ही चेतावनी दी है कि अस्पतालों में दवाइयों और ऑक्सीजन का स्टॉक कम होने से जरूरी सेवाएं बनाए रखने में मुश्किलें आ रही हैं। इस कमी का असर उन सामुदायिक रसोइयों पर भी पड़ रहा है, जो जरूरतमंद परिवारों को भोजन उपलब्ध कराती हैं। पोप लियो ने जॉर्डन में हर्मोद स्थित सेंट जॉर्ज ऑर्थोडॉक्स चर्च के श्रद्धालुओं पर शुक्रवार को हुए हमले में मांगे गए और घायल हुए लोगों के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा, 'मैं उस समुदाय और पूरे देश के साथ खड़ा हूं, जो अलग-अलग धर्मों के बीच शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और आपसी सम्मान के लिए जाना जाता है।

नेपाल में दो माह पहले आई बाढ़ से नुवाकोट जिले में पेयजल की 32 योजनाएं तबाह, 58.60 करोड़ रुपये का नुकसान

काठमांडू,एजेंसी। त्रिशूली नदी में आई विनाशकारी बाढ़ ने नेपाल के नुवाकोट जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की संरचनाओं को तबाह कर दिया है। पेयजल योजनाओं के ध्वस्त होने से आम लोगों की भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दो महीने पहले यानी 26 अगस्त को सुदूर 10 बजे त्रिशूली नदी में आई प्रलयंकारी बाढ़ से नुवाकोट की विदुर और बेलकोटगढी नगरपालिकाओं के साथ किस्पाड और तारकेश्वर ग्रामीण नगरपालिकाओं में भारी क्षति हुई थी। नुवाकोट जिला प्रशासन के अनुसार, बाढ़ ने इन स्थानीय निकायों में संचालित पेयजल की 32 योजनाओं को पूरी तरह तबाह कर दिया। इन पेयजल योजनाओं के नष्ट होने से लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। प्रशासनिक अधिकारी रुपेश प्रसाद नेपाल ने बताया कि बाढ़ से पेयजल योजनाओं को हुए नुकसान का प्रारंभिक अनुमान 58 करोड़ 60 लाख रुपये है। प्रशासन के अनुसार कुछ योजनाओं की मरम्मत की जा रही है, जबकि कुछ का पुनर्निर्माण करना आवश्यक है। कुछ योजनाओं के माध्यम से अस्थायी रूप से पेयजल आपूर्ति शुरू की गई है। बागमती प्रदेश सरकार के अंतर्गत पेयजल एवं स्वच्छता डिवीजन कार्यालय, नुवाकोट के माध्यम से 12 हजार मीटर पेयजल पाइप उपलब्ध कराए गए हैं।

विदुर पेयजल एवं स्वच्छता उपभोक्ता संस्था के माध्यम से विदुर नगरपालिका क्षेत्र में संचालित पेयजल योजनाओं की मरम्मत और पुनर्बहाली के लिए पेयजल एवं ढल प्रबंधन विभाग से 100 केवीए क्षमता का जनरेटर, स्पेपलाइजर और 32 हजार मीटर पाइप प्राप्त हुए हैं। इनके सहयोग से



अस्थायी रूप से मरम्मत का काम किया गया है। प्रशासन के अनुसार, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को प्राथमिकता देकर काम किया जा रहा है। नुवाकोट के मुख्य जिला अधिकारी शम्भु प्रसाद रेग्मी ने बताया कि बाढ़ के कारण जिले में 2,723 लोग लापता हुए हैं। उनके अनुसार, 3,630 लोगों को सुरक्षित बचाया गया है। उनके मुताबिक गृह मंत्रालय, राष्ट्रीय विपद जोखिम न्यूनीकरण तथा प्रबंधन प्राधिकरण, जिला प्रशासन, सुरक्षा

निकायों और स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों की संयुक्त व्यवस्था के तहत एकट्ठार प्रणाली से राहत वितरण किया जा रहा है। जिला समन्वय समिति और विदुर नगरपालिका कार्यालय में राहत सामग्री एकत्र करने तथा वितरण का काम जारी है। प्रशासन के अनुसार अब तक विभिन्न 536 संघ-संस्थाओं के माध्यम से राहत सामग्री एकत्र की गई है। 2,697 स्थानों पर विभिन्न प्रकार की राहत सामग्री वितरित की जा चुकी है।

लूला डा सिल्वा चौथी बार ब्राजील के राष्ट्रपति निर्वाचित

ब्रासीलिया,ब्राजील। देश के वर्तमान राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने एक बार फिर चुनाव जीत लिया है। वह चौथी बार ब्राजील के राष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं। वामपंथी नेता 80 वर्षीय सिल्वा पूर्व फैक्टरी कर्मकारी हैं। चुनाव के पहले दौर में राष्ट्रपति पद के दावेदार और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी फ्लेवियो बोल्सोनारो और मौजूदा राष्ट्रपति लूला के बीच बराबरी रही। रविवार को एक कड़े मुकाबले (रन-ऑफ) में उन्होंने फ्लावियो बोल्सोनारो को हरा दिया। ब्राजील के प्रमुख अखबार फोल्या दे एस पाउलो और सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, 99.77% वोटों की गिनती पूरी होने पर दूसरे दौर में मौजूदा राष्ट्रपति को 51.76% वैध वोट मिले, जबकि बोल्सोनारो को 48.24% वोट मिले। इस जीत के साथ, 'वर्कर्स पार्टी' के सदस्य लूला, गेटुलियो वर्गास के बाद ब्राजील के इतिहास में दूसरे सबसे लंबे समय तक राष्ट्रपति पद पर रहने वाले व्यक्ति बन गए हैं। अपना मौजूदा कार्यकाल पूरा होने तक वे कुल 16 वर्षों तक सत्ता में रहेंगे, जो ब्राजील के लोकतांत्रिक इतिहास में एक रिकॉर्ड है।

यह विजय एक ऐसे चुनाव अभियान के बाद मिली, जिसमें महंगाई, अपराध और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे हावी रहे। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, 1989 में प्रत्यक्ष राष्ट्रपति चुनाव की वापसी के बाद यह पहली बार है, जब कोई उम्मीदवार पहले दौर में दूसरे स्थान पर रहने के बावजूद राष्ट्रपति चुनाव

जीत गया है। लूला ने 2003 से 2010 के बीच पहली बार ब्राजील का शासन संभाला। उन्हें इस बार महंगाई और सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं के कारण कड़े चुनावी मुकाबले का सामना करना पड़ा। बोल्सोनारो ने अपने चुनाव अभियान में अपराध के खिलाफ सख्त रुख को मुख्य मुद्दा बनाया और खाद्य पदार्थों की कीमतों कम करने का वादा किया। दोनों ही राष्ट्रपति उम्मीदवारों पर उनके परिवार के सदस्यों और सहयोगियों से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोप लगे। लूला को भ्रष्टाचार के मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद एक साल से अधिक समय जेल में बिताना पड़ा, हालांकि बाद में उन दोषसिद्धि को रद्द कर दिया गया। रविवार को हुए इस कड़े मुकाबले के नतीजे गहमागहमी के बीच आए। सीएनएन का विश्लेषण है कि लूला की जीत का असर ब्राजील के बाहर भी देखने को मिलेगा। लूला के नेतृत्व में लैटिन अमेरिका का यह सबसे बड़ा देश एक अधिक स्वतंत्र विदेशी नीति अपनाएगा। लूला ने ब्राजील की संप्रभुता पर जोर दिया है। साथ ही 'ग्लोबल साउथ' (विकासशील देशों) और चीन के साथ नजदीकी संबंध बनाने की कवालत की है। लूला ने 1970 के दशक में कर्मकारी नेता के तौर पर अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने 'वर्कर्स पार्टी' की स्थापना में मदद की। लूला की जीत बोल्सोनारो के राजनीतिक आंदोलन के लिए एक बड़ा झटका है।

एक नजर

टांडा में बालश्रम के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, छह बच्चे मुक्त



ब्यूरो रिपोर्ट, सद्भावना टुडे

रामपुर। जनपद रामपुर के टांडा थाना क्षेत्र में बालश्रम उन्मूलन अभियान के तहत संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए छह बच्चों को बालश्रम से मुक्त कराया। अभियान के दौरान आरा मशीनों, लकड़ी के कारखानों, होटल, ढाबों और अन्य प्रतिष्ठानों की जांच की गई। टीम ने प्रतिष्ठान संचालकों को बालश्रम निषेध कानून का सख्ती से पालन करने की हिदायत दी। जिलाधिकारी के निर्देशन में जिला चाइल्ड हेल्पलाइन, एंटी ब्लूमन ट्रेफिकिंग यूनिट (एएचटीयू), श्रम विभाग तथा बाल कल्याण समिति के सदस्यों की संयुक्त टीम ने टांडा थाना क्षेत्र में अभियान चलाया। इस दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों की जांच कर बालश्रम की स्थिति का जायजा लिया गया और छह बच्चों को काम से मुक्त कराया गया। विभिन्न अपराधों के प्रति किया जागरूक अभियान के दौरान टीम ने लोगों को मानव तस्करी, अनैतिक देह व्यापार, बाल विवाह तथा महिलाओं से संबंधित अपराधों के प्रति जागरूक किया। होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट और कारखाना संचालकों को बालश्रम निषेध कानून की जानकारी देते हुए स्पष्ट किया गया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

बालश्रम कराने पर हो सकती है कानूनी कार्रवाई
संयुक्त टीम ने बताया कि 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से सामान्य रोजगार में काम कराना प्रतिबंधित है। वहीं, 14 से 18 वर्ष की आयु के किशोरों को खतरनाक व्यवसायों एवं प्रक्रियाओं में नियोजित करना कानूनन प्रतिबंधित है। प्रतिष्ठान संचालकों से नियमों का पालन सुनिश्चित करने और बच्चों से मजदूरी न कराने की अपील की गई।

अभियान में ये अधिकारी रहे मौजूद

अभियान में थाना एएचटीयू से सत्यप्रकाश, श्रम प्रवर्तन अधिकारी देवेन्द्र सिंह, चाइल्ड हेल्पलाइन प्रभारी निजामुद्दीन, शिवम सिंह सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। संयुक्त टीम ने बालश्रम के खिलाफ अभियान जारी रखने और बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक कार्रवाई करने पर जोर दिया।

पिंकथॉन डे के चौथे संस्करण में

महिलाएं और परिवार एक साथ आए

नई दिल्ली। पिंकथॉन डे के चौथे संस्करण में गुरुग्राम में बड़ी संख्या लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिलाओं के शारीरिक स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इस पहल में महिलाएं और परिवार एक साथ आए। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एमएमफआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेंकट एन. चलसानी ने कहा कि पिंकथॉन डे के जरिए हम महिलाओं को अपने वित्तीय प्रबंधन में सक्रिय भूमिका को निभाने और अपना वित्तीय भविष्य सुरक्षित करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। चलसानी ने बताया कि सोच-समझकर लिए गए वित्तीय निर्णय और अनुशासित निवेश महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना सकते हैं और आत्मविश्वास के साथ दीर्घकालिक लक्ष्य हासिल करने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि वित्तीय समावेशन का अर्थ केवल वित्तीय उत्पादों तक पहुंच होना नहीं है, बल्कि महिलाओं को सही वित्तीय निर्णय लेने के लिए आवश्यक ज्ञान, आत्मविश्वास और अवसर उपलब्ध कराना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। पिंकथॉन के संस्थापक मिलिंद सोमन ने कहा कि पिंकथॉन डे का हर संस्करण स्थानीय समुदायों को एक साझा उद्देश्य के लिए होता है। विभिन्न शहरों में हुई भागीदारी हमारे एम्बेसडर, स्वयंसेवकों और धावक समूहों के प्रयासों को दर्शाती है।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के विदेशी भाषा विभाग ने EUNIC

के सहयोग से ‘लॉन्ग नाइट ऑफ लिटरेचर्स 2026’ का आयोजन किया

एम. जबिउल्लाह, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के विदेशी भाषा विभाग (डीएफएल) ने ईयू नेशनल इंस्टीट्यूट्स फॉर कल्चर एलएल (EUNIC) के साथ मिलकर, 22 अक्टूबर 2026 को जेएमआई के एफटीके-सीआईटी सेंटर स्थित एफटीके ऑडिटोरियम में ‘लॉन्ग नाइट ऑफ लिटरेचर्स 2026’ के यूनिवर्सिटी संस्करण का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में साहित्यिक आदान-प्रदान के लिए यूरोपीय लेखक, कवि और स्कॉलर्स एक साथ आए। अपने शुरुआती संबोधन में, डीएफएल के विभागाध्यक्ष प्रो. मो. फैजुल्लाह खान ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि ऐसे आयोजन छात्रों के लॉर्निंग अनुभव को समृद्ध करने और शैक्षणिक समुदाय को विभिन्न साहित्यिक व सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ने में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में स्लोवेनिया की लेखिका, कवयित्री, सांस्कृतिक मानवविज्ञानी और ल्युब्लियाना विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. एना स्वेतेल शामिल हुईं। उन्होंने इसानों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मानवविज्ञान के बीच संबंधों पर चर्चा की। इतालवी लेखक और साहित्यिक प्रकाशन जगत की जानी-मानी हस्ती एंटोनियो प्रैंचिनी ने ‘सैंडोकन’ (Sandokan) के बारे में अपने विचार साझा किए और नेपल्स तथा पुरानी दिल्ली के बीच



सांस्कृतिक समानताओं पर प्रकाश डाला। उनके विचारों ने साहित्य, स्थान और सांस्कृतिक संबंधों के विभिन्न पहलुओं को एक साथ पिरोया। जर्मन उपन्यासकार और पटकथा लेखक क्रिस्टोफर क्लोबल ने सांस्कृतिक अंतरों और भारत के साथ अपने व्यक्तित्व जुड़ाव पर बात की। उन्होंने अपने उपन्यास ‘द म्यूजियम ऑफ द वर्ल्ड’ का भी चित्र किया, जो 19वीं सदी के भारत में उपनिवेशवाद और दोस्ती की पड़ताल करता है। पुर्तगाली कवयित्री

और स्कॉलर प्रो. डायना वी. अल्मेडा ने कविता में भावनाओं और प्रेरणा पर चर्चा करते हुए कहा कि कोई भी कविता किसी भी पल जन्म ले सकती है। पोलिश उपन्यासकार और रिपोर्टर मालगोरजाता जोफ्रिया (मार्गो) रेज़मर ने पूर्वी यूरोप और बाल्कन देशों में राजनीतिक शासन के दौरान लोगों की यादों, ट्रामा और उनके निजी जीवन के बारे में बात की। यूक्रेनी कवयित्री और बच्चों की लेखिका ओलेसिया मामर्चिच ने बच्चों पर युद्ध के प्रभाव को रेखांकित किया,

खेत बचाओ अभियान को जन-आंदोलन बनाने के लिए आगे आएँ किसान : विजय कुमार सिन्हा

पटना,एजेंसी। ‘खेत बचाओ, जीवन बचाओ’ के संदेश के साथ मुजफ्फरपुर में खेत बचाओ अभियान-सह-कृषि जन कल्याण संवाद का शुभारम्भ सोमवार को मंत्री कृषि विभाग विजय कुमार सिन्हा ने किया। कृषि मंत्री ने कहा कि ‘खेत बचाओ, जीवन बचाओ’ केवल संदेश नहीं, बल्कि धरती, किसान और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित रखने का हमारा संकल्प है। खेत सुरक्षित होंगे, मिट्टी स्वस्थ होगी और किसान समृद्ध होंगे, तभी विकसित भारत का सपना साकार होगा। कृषि मंत्री ने कहा कि भारत सरकार के आह्वान पर 22 अक्टूबर से देशव्यापी खेत बचाओ अभियान प्रारंभ हुआ है। बिहार में भी इस अभियान को जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। आज 26 अक्टूबर को मुजफ्फरपुर की धरती से हम इस अभियान को नई गति देने और गाँव-गाँव तक पहुँचाने का संकल्प लेते हैं। यह अभियान 30 नवंबर, 2026 तक संचालित होगा।

विजय सिन्हा ने कहा कि ‘खेत बचाओ अभियान-सह-कृषि जन कल्याण संवाद’ किसानों की समृद्धि, मिट्टी के संरक्षण, महिला उद्यमिता, युवा रोजगार और श्रमिकों के सम्मान को एक साथ जोड़ने का महत्वपूर्ण अवसर है। हमारा संकल्प है कि कृषि सशक्त हो, गाँव समृद्ध बनें और बिहार विकास की नई ऊँचाइयों को प्राप्त करे। हमें समझना होगा कि आवश्यकता से अधिक रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग खेती की लागत बढ़ाने के साथ मिट्टी के स्वास्थ्य को भी



प्रभावित कर सकता है। इसलिए मिट्टी की जाँच, मुदा स्वास्थ्य कार्ड की अनुशंसा और वैज्ञानिक सलाह के आधार की का संतुलित प्रयोग करना चाहिए। महत्वपूर्ण यह नहीं है कि खेत में कितनी ख़ाद डाली गई, बल्कि यह है कि मिट्टी की ज़रूरत के अनुसार ख़ाद का कितना सही उपयोग किया गया। उन्होंने कृषि जन कल्याण संवाद के अंतर्गत किसानों से संवाद करते हुए कहा कि नकली ख़ाद एवं नकली बीज की बिक्री पर रोक लगाने तथा ऐसे मामलों को उजागर करने वाले लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें सम्मानित किया जाएगा। नकली उर्वरकों के उत्पादन एवं बिक्री में सलिस लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, ऐसे मामलों का पर्दाफाश करने तथा दोषियों की पहचान उजागर करने वाले अधिकारियों को उनके सराहनीय कार्य के लिए विभाग द्वारा सम्मानित किया जाएगा। कृषि मंत्री ने

कहा कि खेत बचाओ अभियान की सफलता के लिए किसानों की भागीदारी सबसे ज़रूरी है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि शारदीय (खरीफ) मौसम में पूरे बिहार में 7,275 किसान बैठकों का आयोजन किया गया, जिनमें 6,19,436 किसानों ने भाग लिया। इनमें 2,12,610 महिला किसान भी शामिल रहीं। यह भागीदारी बताती है कि हमारे किसान मिट्टी के स्वास्थ्य और खेतों के संरक्षण के प्रति जागरूक हो रहे हैं। अब वास्तविक (रबी) मौसम 2026-27 में इस अभियान को राज्य के सभी 534 प्रखंडों तक पहुँचाने की योजना बनाई गई है। इसके तहत प्रत्येक प्रखंड की कम-से-कम दो पंचायतों में विशेष किसान जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएँ। हमारा लक्ष्य है कि इस अभियान के माध्यम से 15 से 16 लाख किसानों तक सीधे पहुँचकर उन्हें जागरूक किया जाए।

सेवा कोई कार्यक्रम नहीं, बल्कि स्वभाव बने, ‘मैं’ की बजाय ‘हम’ की भावना के साथ करें कार्य : नितिन नवीन

सिरोही/जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद नितिन नवीन ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान की 90 वर्षों की आध्यात्मिक यात्रा सेवा, साधना, शांति और विश्व बंधुत्व का प्रेरक उदाहरण है। उन्होंने संस्थान की थीम ‘जागृति से कर्म तक’ का जिक्र करते हुए कहा कि जागृति तभी सार्थक होती है, जब व्यक्ति अपने विचारों को कर्म में उतारे और आचरण से समाज में सकारात्मक बदलाव लाए। नि:स्वार्थ सेवा, समर्पण और सहयोग भारतीय संस्कृति की पहचान है। सेवा हमारे लिए केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारे स्वभाव बननी चाहिए। व्यक्ति को ‘मैं’ की बजाय ‘हम’ की भावना के साथ समाज और राष्ट्र हित के लिए कार्य करना चाहिए। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन सोमवार को आबूरोड स्थित ब्रह्माकुमारी संस्थान के 90वें स्थापना दिवस पर आयोजित नवदर्शकोत्सव एवं ग्लोबल समिट को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि संस्थान ने अर्बुदांचल की पवित्र भूमि को योग, साधना और आध्यात्मिक चेतना के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया है। उन्होंने संस्थान में महिला नेतृत्व की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय परम्परा में महिलाओं का ज्ञान, दर्शन और आध्यात्मिकता में अहम योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ‘वुमन डवलपमेंट’ की बजाय ‘वुमन-लेड डवलपमेंट’ विजन के अनुसार

मातृशक्ति का नेतृत्व समाज और राष्ट्र को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने नशा मुक्ति अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखकर ही देश के भविष्य को सुरक्षित और सुदृढ़ बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की पहल पर शुरू हुए नशा मुक्ति अभियान को व्यापक जनभागीदारी से आगे बढ़ाना होगा।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ब्रह्माकुमारी संस्थान और सरकार के साझा प्रयासों से नशा मुक्ति के संदेश को व्यापक स्तर पर पहुंचाया जाएगा। नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री का वर्ष 2047 तक विकसित भारत का सपना देश के 140 करोड़ नागरिकों का एक साझा संकल्प होना चाहिए, क्योंकि राष्ट्र निर्माण केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने आमजन से मूल्य शिक्षा को प्रत्येक युवा तक पहुंचाने, सेवा की भावना से समाज और लोगों के बीच कार्य करने तथा प्रकृति के प्रति अपने व्यवहार को बेहतर बनाकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने के तीन प्रमुख संकल्प अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री की पहल पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के माध्यम से भारतीय योग परंपरा को वैश्विक पहचान मिली है। ब्रह्माकुमारी संस्थान राजयोग के माध्यम से विश्व शांति और कल्याण के लिए कार्य कर रही है।

जनगणना देश की सामाजिक, आर्थिक एवं जनसांख्यिकीय स्थिति का महत्वपूर्ण आधार: आनंद कुमार सिंह

आसिम अजीज़, सद्भावना टुडे

रामपुर। जनगणना देश की सामाजिक, आर्थिक एवं जनसांख्यिकीय स्थिति को समझने का महत्वपूर्ण आधार है। इससे प्राप्त आंकड़े विकास योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों और संसाधनों के उचित वितरण में अहम भूमिका निभाते हैं। यह बात जिला जनगणना अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) आनंद कुमार सिंह ने रामपुर स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर कही। जनपद में जनगणना कार्य को सुचारु, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ जिला जनगणना अधिकारी आनंद कुमार सिंह, प्रभारी अधिकारी जनगणना एवं अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) डॉ. पुष्पेंद्र पटेल तथा नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी दुर्गेश्वर त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

पहली डिजिटल जनगणना के लिए तकनीकी दक्षता पर जोर

प्रशिक्षण के दौरान भारत की पहली डिजिटल जनगणना से संबंधित विभिन्न तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी गई। प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों को मोबाइल एप्लीकेशन के संचालन, डिजिटल माध्यम से आंकड़ों की प्रविष्टि तथा डेटा सिंक्रोनाइजेशन की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से समझाया गया। अधिकारियों ने कहा कि जनगणना के दौरान प्रत्येक मकान, परिवार और संबंधित विवरण का सही, पूर्ण एवं त्रुटिरहित संकलन सुनिश्चित करना आवश्यक है। इसके लिए सभी कार्मिकों को निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए सावधानी और जिम्मेदारी के साथ कार्य करना होगा। आनंद कुमार सिंह ने कहा कि जनगणना की सफलता प्रत्येक



प्रगणक एवं सुपरवाइजर की कर्तव्यनिष्ठा पर निर्भर करती है। इसलिए सभी कार्मिक निष्पक्षता, पारदर्शिता और पूर्ण सावधानी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

सुपरवाइजर करेंगे नियमित निगरानी

प्रशिक्षण के दौरान सुपरवाइजरों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें अपने अधीनस्थ प्रगणकों के कार्यों की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि कार्य के दौरान सामने आने वाली त्रुटियों एवं कठिनाइयों का समय रहते समाधान किया जाए, ताकि जनगणना का कार्य निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार पूरा हो सके। प्रगणकों को अपने आर्वाइट क्षेत्रों, मकानों, गलियों और अन्य आवश्यक भौगोलिक विवरणों की समुचित जानकारी रखने तथा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार क्षेत्रीय कार्य संपन्न करने के निर्देश भी दिए गए।

जनसहभागिता और गोपनीयता सर्वोच्च प्राथमिकता

अधिकारियों ने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि वे

ऐसे महान संत थे, जिन्होंने अंधकार में ज्ञान का दीप जलाया। कठिन समय में माता सीता को अपने आश्रम में स्थान देने के साथ-साथ उन्होंने उनके बच्चों को उच्च शिक्षा और संस्कार प्रदान किए। शिक्षा और संस्कारों के माध्यम से उनके व्यक्तित्व को एक अलग पहचान मिली। भगवान श्रीराम के जीवन का उदाहरण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब उनका राज्याभिषेक होना था, उस समय उन्हें वनवास जाना पड़ा, लेकिन उन्होंने धैर्य बनाए रखा और परिस्थितियों को स्वीकार करते हुए आगे बढ़े। मुख्यमंत्री नाथब सिंह सैनी ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी ने जाति से ऊपर उठकर मानवता का संदेश दिया। उनकी शिक्षाओं के प्रति श्रद्धा केवल पूजा तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि हमारे व्यवहार में भी दिखाई देनी चाहिए। किसी व्यक्ति के साथ जन्म, जाति, आर्थिक स्थिति या काम के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत महापुरुष प्रचार-प्रसार योजना के तहत महापुरुषों की जयंती मनाने का उद्देश्य उनके विचारों और संदेशों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना है, ताकि युवा उनके जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ सकें।

खेल के जरिये अनुशासन, एकाग्रता और प्रतिस्पर्धा की भावना को मिलता है बढ़ावा : मुख्यमंत्री

रांची,एजेंसी।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन सोमवार को बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम, खेलगांव, रांची में आयोजित 15वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता 2026-27 के समापन समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली पुलिस टीमों एवं खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन, अनुशासन, समर्पण एवं खेल भावना की सराहना की। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर देश और राज्य का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि झारखंड को इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर मिला है, जो राज्य के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि खेल के माध्यम से अनुशासन, आत्मविश्वास, एकप्रायता एवं प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने खिलाड़ियों से निरंतर अभ्यास, मेहनत और समर्पण के साथ आगे बढ़ने का



आह्वान किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने टाटा आर्चरी एकेडमी की तीरंदाज अंकिता भक्त को भी सम्मानित किया। अंकिता भक्त के नेतृत्व में भारतीय तीरंदाजी टीम ने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया। मुख्यमंत्री ने उनकी उपलब्धि की सराहना करते हुए अन्य खिलाड़ियों को भी उनसे प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रतियोगिता के समग्र परिणाम में पुरुष वर्ग में

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उत्तर प्रदेश पुलिस दूसरे तथा राजस्थान पुलिस तीसरे स्थान पर रही। महिला वर्ग में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएस्फ) ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि उत्तर प्रदेश पुलिस दूसरे स्थान पर रही। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और असम राइफल्स ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से

प्रकाशित किया।सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)

